

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 290]	नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 2, 2015/कार्तिक 11, 193 7
No. 290]	NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 2, 2015/KARTIKA 11, 1937

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) (पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर, 2015

(प्रारंभिक जांच-परिणाम)

विषय : चीन जन.गण. और रूस में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित "मिथाइलीन क्लोराइड" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच-अंतिम जांच-प्रारंभिक जांच परिणाम के संबंध में

- फा. सं. 14/33/2014-डीजीएडी.—यत:, समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षिति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात पाटनरोधी नियमावली अथवा नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतद्पश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को भारत में मिथाइलीन क्लोराइड (जिसे एतद्पश्चात विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) कहा गया है) का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स कैमप्लास्ट संमार लिमिटेड और मैसर्स गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लिमिटेड (जिसे एतद्पश्चात याचिकाकर्ता अथवा आवेदनकर्ता कहा गया है) से एक लिखित आवेदनपत्र चीन जनवादी गणराज्य और रूस (जिसे एतद्पश्चात सम्बद्ध देश कहा गया है) से संबद्ध वस्तु के पाटन का आरोप लगाते हुए प्राप्त हुआ है।
- 2. यत:, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आधार पर कथित पाटन की मौजूदगी उसकी मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश पर विचार करने के लिए नियमावली के उपनियम 6(1) के अनुसार, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरूआत करते हुए दिनांक 07 अप्रैल, 2015 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।

4655 GI/2015 (1)

क. प्रक्रिया

- 3. इस जांच के संबंध में अधोलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है :
 - (i) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही की शुरूआत करने से पहले आवेदकों से पाटन का आरोप लगाते हुए आवेदनपत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में स्थित संबद्ध देशों के राजदूतावासों को इसकी सूचना प्रेषित की।
 - (ii) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच का प्रारंभ करते हुए दिनांक 07 अप्रैल, 2015 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
 - (iii) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों तथा (जिनके विवरण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग एसोसिएशनों को प्रेषित की और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार निर्धारित समय-सीमा के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
 - (iv) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में इस संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों (जिनके विवरण आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को प्रेषित की और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के अंदर अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का सुझाव दिया।
 - (v) प्राधिकारी ने इस आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देशों को राजदूतावासों और ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध कराई। इस आवेदनपत्र की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई।
 - (vi) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां प्रेषित की :
 - क. शांडांग डोंग्यूई कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड
 - ख. जियांग्सू मिलान कैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - ग. झेजियांग जुहुआ कंपनी लिमिटेड
 - घ. जोएससी खिमप्रोम
 - ङ. कांग लांग हाइट
 - च. जैपिंग चांगशान जिफेंग फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड
 - छ. डालियान रिचफार्च्यून कैमिकल कंपनी
 - ज. टिआन्जिन युआनलांग कैमिकल इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड।
 - (vii) प्राधिकारी को संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों से प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ :
 - क. शांडांग लिआओचांग लुक्सी सिक्स्थ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - ख. लु एक्स आई कैमिकल (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक)
 - ग. शांडांग डोंग्यूई फ्लू सिलिकान मैटीरियल्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - घ. निंग्बो जुहुआ कैमिकल एंड साइंस कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण.
 - ङ. झेजियांग कुहना फ्लोर-कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - च. फार्मासिनो होल्डिंग (एचके) लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक)
 - छ. एच के मोटेज इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक)
 - ज. खिमप्रोय पब्लिक ज्वाइंट स्टाक कंपनी, रूस

- (viii) तथापि चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने न तो बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा किया और न ही निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी की गई बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया। इसके अतिरिक्त, शांडांग लाओचेंग लक्सी सिक्सथ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण., खिमप्रोय पब्लिक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, रूस और भारत में रूसी परिसंघ के व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने विधिक प्रस्तुतिकरण दायर किए।
- (ix) भारत में इस संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए प्रेषित कीं :
 - क. वर्धमान ट्रेडिंग कारपोरेशन
 - ख. हर्ष कुमार एंड कंपनी
 - ग. हिटैरोलैब्स लिमिटेड
 - घ. डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड
 - ङ. अरबिंदों फार्मा लिमिटेड
 - च. कोवैलेंट लैबोरेटरीज लिमिटेड
 - छ. रेनबैक्सी लैबोरेटरीज लिमिटेड
 - ज. रालकेम लिमिटेड
 - झ. मोरपियन लैब्स
 - ञ. सूर्या मेडिकेयर लिमिटेड
 - ट. इंडसोल ड्रग्स लिमिटेड
 - ठ. मेघमणि आर्गेनिक्स लिमिटेड
 - ड. यूनाइटेड फास्फोरस लिमिटेड
 - ढ. केडीएल बायोटेक लिमिटेड
 - ण. सन फार्मास्युटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 - त. रैलिस इंडिया लिमिटेड
 - थ. एलेम्बिक लिमिटेड
 - द. हिंदुस्तान कैमिकल्स इंडस्ट्रीज
- (x) मैसर्स अरबिंदो फार्मा लिमिटेड, डॉ; रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड, संदीप आर्गनिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने आयातक प्रश्नावली/प्रस्तुतिकरण दायर करके इस जांच शुरूआत अधिसूचना का प्रत्युत्तर दिया।
- (xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली एक सार्वजनिक में उपलब्ध कराया।
- (xii) यह जांच अक्तूबर, 2013 से प्रारंभ करके सितम्बर, 2014 (जांच की अवधि) तक की जांच की अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति विश्लेषण के संदर्भ में वर्ष 2011-12, 2013-14 और जांच की अवधि को शामिल किया गया।
- (xiii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया कि वह जांच की अविध सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों का विवरण उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है।

- (xiv) आवेदक द्वारा सामान्यत: स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा उसकी बिक्री करने की लागत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥। के अनुसार किया जिससे कि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xv) आवेदकों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना का इस जांच परिणाम के लिए आवश्यक समझी गई सीमा तक स्थल सत्यापन किया गया।
- (xvi) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए उन प्रस्तुतिकरणों का, जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया, इस प्रारंभ जांच परिणाम में समाधान कर दिया गया।
- (xvii) इस अधिसूचना में *** हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है ओर प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत उसे वैसा ही माना है।
- (xviii) जांच की इस अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डालर = 61.65/-रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

घरेलू उद्योग के विचार

- (क) मिथाइलीन क्लोराइड एक कार्बनिक यौगिक होता है जिसका आण्विक फार्मूला सीएच2सी12 होता है। यह एक रंगहीन द्रव होता है जिसका ईथर की तरह की सुहावनी सुगंध होती है और इसका प्रयोग साल्वेंट के रूप में प्रचुर मात्रा में किया जाता है। प्रयोग की अधिकांश स्थितियों के अंतर्गत यह ज्वलनशील नहीं है पर अधिक गर्म करने पर यह जल सकता है।
- (ख) इस उत्पाद के अन्य ज्ञात ग्रेड भी हैं। तथापि, इसका व्यापार (टैंकरों में) खुले तौर पर और पैक्ड (ड्रमों में) रूप में किया जा सकता है, तद्वारा उसका कीमत पर सीधा प्रभाव पड़ता है।
- (ग) मिथाइलीन क्लारोइड को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत सीमाशुल्क उप-शीर्षक 29031200 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
- (घ) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक गुण धर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों वितरण एवं विपणन और वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसे गुण धर्मों के रूप में तुलनीय हैं। क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन का परिकलन नर्बंध/अनपैक्ड और पैक्ड उत्पादों के लिए अलग-अलग किया गया है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

4. किसी भी अन्य निर्यातक, उत्पादक अथवा उपभोक्ता ने इस विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई विचार व्यक्त नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 5. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. और रूस का मूल का अथवा वहां से निर्यातित ''मिथाइलीन क्लोराइड'' है जिसे ''डाइक्लोरोमिथेन'' और ''मिथाइलीन डाइक्लोराइड'' (एमडीसी) के रूप में भी जाना जाता है।
- 6. मिथाइलीन क्लोराइड एक कार्बनिक यौगिक होता है जिसका आण्विक फार्मूला सीएच2सी12 होता है। यह एक रंगहीन द्रव होता है जिसका ईथर की तरह की सुहावनी सुगंध होती है और इसका प्रयोग साल्वेंट के रूप में प्रचुर मात्रा में किया जाता है। प्रयोग की अधिकांश स्थितियों के अंतर्गत यह ज्वलनशील नहीं है पर अधिक गर्म करने पर यह जल सकता है। मिथाइलीन क्लोराइड उच्च ताप पर अपघटित भी हो सकता है जिससे विषाक्त गैसें उत्पन्न होती हैं। यह विभिन्न प्रकार के विलायकों के साथ पूर्णतया मिश्रणीय है। एमडीसी एक विलायक है और इसका प्रयोग पालीकार्बोनेट और फिनोलिकरेजिन्स, रेयन यार्न, फार्मास्युटिकल्स, कृषि एवं सुगंध का विनिर्माण करने के लिए किया जाता है। यह खाद्य बसा, कोकोआ, मक्खन और सतों के निस्सारक के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

- 7. मिथाइलीन क्लोराइड का उत्पादन करने के लिए दो प्रविधियां है मिथेन पथ और मेथानाल पथ दोनों तरीकों से उत्पादित उत्पाद के अनिवार्यत: समान प्रविधि विनिर्देशन हैं। मिथाइलीन क्लारोइड को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत सीमाशुल्क उप-शीर्षक 29031200 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
- 8. पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(घ) समान वस्तु को निम्नवत परिभाषित करता है।

''समान वस्तु'' का आशय उस वस्तु से जो भारत में पाटित की जा रही जांचाधीन वस्तु के सभी तरह से समान या समरूप हो या ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी तरह से समान न हो फिर भी उसके गुणधर्म जांचाधीन वस्तु के निकटतम समान हों।

9. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक गुण धर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों वितरण एवं विपणन और वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसे गुण धर्मों के रूप में तुलनीय हैं। उपभोक्तागण इनका प्रयोग अंतर्बदल करके कर रहे है।

ग. घरेलू उद्योग एवं आधार

10. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत निम्नवत परिभाषित किया गया है :-

' 'घरेलू उद्योग" का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे संबंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रूप से लगे उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है, सिवाय इसके कि यदि ये उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित हो पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हो अथवा उसके स्वयं आयातक हो तो ऐसे मामलों में वाक्यांश "घरेलू उद्योग" को केवल शेष उत्पादकों के रूप में माना जाएगा।"

- 11. यह आवेदनपत्र मैसर्स केमप्लास्ट सन्मार लिमिटेड और मैसर्स गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से दायर किया गया है। इस आवेदनपत्र के अनुसार इस उत्पाद के गुजरात अल्कलाइ एंड कैमिकल्स लिमिटेड और एसआरएफ लिमिटेड नामक दो अन्य उत्पादक भी हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का लगभग *** प्रतिशत उत्पादन बनता है और इसलिए याचिकाकर्ताओं द्वारा किया गया उत्पादन भारत में उत्पादित समान उत्पाद के कुल उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है। इसके अतिरिक्त, आवेदनपत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी भी याचिकाकर्ता ने इस विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है, और न ही इस विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक अथवा निर्यातक से उनका कोई संबंध है।
- 12. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर और नियमावली को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि यह आवेदनपत्र घरेलू उद्योग द्वारा अथवा घरेलू उद्योग की ओर से किया गया है और यह आवेदनपत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत "आधार" की जरूरत को पूरा करता है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है और याचिकाकर्ता कंपनियां पात्र घरेलू उद्योग हैं। इसलिए, याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत "घरेलू उद्योग" है।

घ. विविध प्रस्तुतिकरण

- 13. मैसर्स शांडांग लिआन्चेंग लुक्सी सिक्सथ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. और खिमप्रोय पबिलक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, रूस के अलावा अन्य किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई प्रस्तुतिकरण नहीं किया है। उनके द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :
 - (i) जांच की अवधि के दौरान ईयू, कोरिया और यूएसए से किए गए आयात 77 प्रतिशत है। यह प्रस्तुतिकरण किया गया कि मौजूदा जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को क्षति उक्त देशों से आयात के कारण हुई है न कि संबद्घ देशों से आयात के कारण।
 - (ii) जांच की अवधि के दौरान उन देशों से लगभग 80 प्रतिशत आयात हुआ जिन पर पाटनरोधी शुल्क (एडीडी) लगा था और रूस से आयातों का हिस्सा न्यूनतम से कम अर्थात लगभग 2.94 प्रतिशत है।

- (iii) घरेलू उद्योग ने संपूर्ण आयात आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए है। जून, 2014 तक के आयात आंकड़े ही उपलब्ध कराए गए है और जुलाई, 2014 सितम्बर, 2014 तक की अवधि के आयात आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। संपूर्ण आयात आंकड़े के अभाव में निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू का दावा निरर्थक हो जाता है।
- (iv) घरेलू उद्योग ने जांच के लिए दो विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध आयात आंकड़ों का उपयोग किया है अर्थात डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़े और टिप्स साफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त आंकड़े, जबिक समान उत्पाद के लिए विभिन्न देशों से किए गए आयातों की विगत जांच में घरेलू उद्योग ने केवल एक ही स्रोत अर्थात डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकडों का उपयोग किया था।
- (v) यह आवेदनपत्र साक्ष्य एवं सूचना के निर्बंधनों में यथार्थता एवं उपयुक्तता की कसौटी पर खरा उतरने में असफल रहा है। पाटन, क्षति, जहां कहीं लागू हो और पाटित आयातों तथा आरोपित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के साक्ष्य प्रदान कराए जाने चाहिए थे।
- (vi) भारत में होने वाले अधिकांश आयात शुल्क मुक्त स्कीम के अंतर्गत किए जाते हैं जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं होते हैं। इसलिए इन आयातों का अपवर्जन कर देना अपेक्षित है।
- (vii) रूस का कीमत अधोरदन चीन के कीमत अधोरदन की तुलना में अधिक दर्शाया गया है जबिक उतराई मूल्य रूस के उतराई मूल्य की तुलना में चीन का उतराई मूल्य अधिक है। इससे यह संकेत मिलता है कि कीमत अधोरदन कृत्रिम है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 14. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों का प्राधिकारी द्वारा निम्नवत विश्लेषण किया गया है :
- क. इस तर्क के संबंध में कि रूस से आयात न्यूनतम से कम है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जब वर्तमान जांच प्रारंभ की गई थी तब रूस से आयातों का हिस्सा 3.40 प्रतिशत था। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए आयातों की मात्रा एवं मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सौदेवार आंकड़ों को अपनाया है। यह नोट किया जाता है कि रूस से आयातों का हिस्सा न्यूनतम से अधिक (4.44 प्रतिशत) है।
- ख. इस तर्क के संबंध में कि उन देशोकं से आयातों का आयातों में बड़ा हिस्सा है जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है और वे आयात की क्षिति कारित कर रहे हैं। यह नोट किया जाता है कि उन देशों से होने वाले आयात में कमी आई जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा था, जबिक संबद्ध देशों से हुए आयातों में क्षिति की अविध के दौरान भारी वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन एवं क्षिति मार्जिन पर्याप्तत: सकारात्मक है जिससे प्रदर्शित हो रहा है कि संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षिति पहुंचा रहे हैं।

विवरण	मापन की इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
संबद्घ देश	एमटी	16,514	334	6,757	15,629
वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	एमटी	60,974	56,324	62,444	47,571
अन्य देश	एमटी	6,956	279	484	540
कुल आयात	एमटी	84,444	56,936	69,685	63,739

ग. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने इस याचिका के लिए दो भिन्न स्रोतों अर्थात डीजीसीआईएंडएस और टिप्स साफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त आयात आंकड़ों को अपनाया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत के स्तर पर प्राधिकारी को स्वयं को इस बात के लिए संतुष्ट करना अपेक्षित होता है कि जांच की शुरूआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और घरेलू उद्योग ने उस अवधि तक के लिए डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग किया है जिसके लिए उस स्तर पर वह आंकड़े उन्हें उपलब्ध थे। तथापि, इस समय, डीजीसीआईएंडएस के सौदेवार आंकड़े उपलब्ध हो गए हैं और प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के सौदेवार आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

- घ. इस तर्क के संबंध में कि भारत को किए गए अधिकांश आयात अग्रिम लाइसेंस के अंतर्गत किए गए हैं और इसलिए उनका अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किए गए आयातों के प्रतिस्पर्धा का सृजन होता है और वह कीमत में परिवर्तन कर देते हैं क्योंकि आयातक उन विदेशी निर्यातकों अथवा घरेलू उत्पादकों से वस्तु का प्रापण करते हैं जो उन्हें वह वस्तु प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध कराते हैं। इसलिए, शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किए गए आयात के लिए यह नहीं माना जा सकता है कि उन्होंने बाजार कीमतों को प्रभावित नहीं किया होगा और इसलिए आयातों का निश्चयन करते समय उनका अपवर्जन नहीं किया जा सकता है।
- 15. इस विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और उसकी आपूर्ति दो रूपों में की जाती है (क) खुले रूप में भारी मात्रा में पोतलदान और (ख) पैक्ड रूप में पोतलदान। प्राधिकारी ने खुले/पैक न किए गए और पैक किए गए आयातों के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का अलग-अलग निर्धारण किया है। पाटन मार्जिन का निर्धारण भारित औसत के आधार पर किया गया है।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा (एमईटी) का परीक्षण

- 16. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्य देशों द्वारा की गई पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) में उल्लिखित निर्बंधनों के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ नियमावली में उल्लिखित निर्बंधनों के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस प्रकल्पना के खंडन के अध्यधीन माना जा सकता है।
- 17. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1, पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रकल्पना का खंड किया जा सकता है कि यदि चीन जन.गण. के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथाविनिर्धारित मापदंड के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करते हैं और इसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के सहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथा-उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएं जिससे कि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों के आधार पर विचार करने में सक्षम हो सकें:
 - (i) चीन जन.गण. में कच्चे माल, प्रविधि एवं श्रम की लागत, आउटपुट, बिक्री सहित कीमत, लागत और अंतर्निविष्टियों के संबंध में संबंधित फर्मों का निर्णय और निवेश बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं जिनसे मांग एवं आपूर्ति प्रदर्शित होती है और इस संबंध में देश की सरकार द्वारा कोई खास हस्तक्षेप नहीं किया जाता है और क्या प्रमुख अंतर्निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्तत: प्रदर्शित करती है;
 - (ii) इन फार्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली द्वारा की गई भारी विकृतियों, खासकर, आस्तियों का मूल्यह्रास, बट्टे-खाते में डाले गए अन्य, विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान, के अध्यधीन होती है।
 - (iii) यह फर्में दिवालियापन एवं संपत्ति विधियों के अध्यधीन होती हैं जो इन फार्मों के प्रचालन के लिए विधिक निश्चितता और स्थिरता की गारंटी प्रदान करती हैं।
 - (iv) विनिमय दर संपरिवर्तन बाजार दरों पर किया जाता है।
- 18. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नाविलयां उन्हें यह सुझाव देते हुए प्रेषित कीं कि वे विहित स्वरूप एवं ढंग से सूचना प्रदान कराएं। तथापि, चीन जन.गण. के निम्निलिखित उत्पादकों और निर्यातकों को छोड़कर चीन जन.गण. के अन्य किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने अपना प्रश्नाविली प्रत्युत्तर दायर करके इस जांच में सहयोग नहीं किया है। निम्निलिखित कंपनियों ने प्रश्नाविली प्रत्युत्तर दायर किया है:
 - (i) शांडांग लिआचेंग लुक्सी सिक्स्थ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - (ii) लुक्सी कैमिकल (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक)
 - (iii) शांडांग डोंग्युई फ्लुओ-सिलिकरन मटीरियल्स कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.
 - (iv) निंग्बो जुहुआ कैमिकल एंड साइंस कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.

- (v) झेजियांग क्युहना फ्लोर कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- (vi) फार्मासिनो होल्डिंग (एचके) लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक)
- (vii) एच के मोन्टेज इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड हांगकांग (निर्यातक)।
- 19. यह नोट किया जाता है कि ऊपर उल्लिखित किसी भी उत्पादक ने न तो बाजार अर्थव्यवस्था का दावा किया है और न ही गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रकल्पना का खंडन किया है। चूंकि चीन की किसी भी कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा नहीं किया है इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह निर्धारित नहीं किया है कि क्या चीन के किसी भी उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जा सकता है।

चीन के लिए सामान्य मूल्य

- 20. चूंकि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक और निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर किया है।
- 21. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 का पैरा 7 निम्नलिखित उल्लेख करता है :

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण तृतीय देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर अथवा उक्त तृतीय देश से भारत सिहत अन्य देशों को कीमत, जहां यह संभव नहीं है, अथवा किसी अन्य उत्तरदायी आधार पर, जिनमें समान उत्पाद के लिए भारत में देय या वास्तविक रूप से प्रदत्त कीमत शामिल हो, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को भी शामिल किया जाए, के आधार पर किया जाएगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध देश के विकास एवं प्रश्नाधीन उत्पाद के स्तर को ध्यान में रखते हुए तर्कसंगत ढंग से एक समुचित तृतीय देश बाजार अर्थव्यवस्था का चयन किया जाएगा और इस चयन के समय यदि कोई विश्वसनीय सूचना उपलब्ध कराई जाती है तो उस पर भी समुचित ध्यान दिया जाएगा। जहां उपयुक्त हुआ लेखाओं को समान मामले में किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के सम्बंध में की गई जांच के अनुरूप लिया जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के वारे से मं जांच के पक्षकारों को बिना किसी अतर्कसंगत विलम्ब के तत्काल सूचना दी जाएगी और उन्हें अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त समयाविध प्रदान की जाएगी।

- 22. इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी भी एक आधार पर किया जा सकता है :
- क. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में कीमतों के आधार पर, अथवा
- ख. बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में विनिर्मित मृल्य के आधार पर, अथवा
- ग. इन तृतीय देशों से अन्य देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, को कीमत के आधार पर, अथवा
- घ. यदि उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी अन्य युक्तियुक्त आधार पर कर सकते हैं जिनमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत सामयोजित भारत में समान उत्पाद के लिए देय अथवा वास्तविक रूप से संदत्त कीमत शामिल होगी।
- 23. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि तृतीय देश की कीमत और लगात के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए तृतीय देश की निर्यात बिक्रियों तथा उत्पादन लागत एवं घरेलू बिक्रियों के व्यापक सौदेवार आंकड़े और तृतीय देश में इन उत्पादकों का सहयोग अपेक्षित होता है, जो इस जांच में प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त, इन बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देशों में प्रचलित कीमत और लागत के संबंध में इस तरह सत्यापन योग्य सूचना न तो आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई है और न ही प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा, न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना तक पहुंच बनाई जा सकती है, तथा न ही चीन की प्रतिवादी कंपनियों ने समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश के संबंध में कोई दावा प्रस्तुत किया है।
- 24. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि चीन जन.गण. इस संबद्ध वस्तु के किसी भी निर्यातक/उत्पादक से कोई भी एमईटी प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और इसके अतिरिक्त, यह नोट करते हुए कि चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश के संबंध में कोई सूचना/आंकड़े रिकार्ड में उपलब्ध नहीं है; इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य पर विचार पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के द्वितीय परंतुक में

उल्लिखित शर्तों के अनुरूप उपलब्ध "तर्कसंगत तथ्यों के आधार पर" किया है। तदनुसार प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन लागत के आधार पर, बिक्री, सामान्य एवसं प्रशासनिक व्ययों को शामिल करते हुए, विधिवत समायोजन करके किया है। पैकिंग लागत में भारी अंतर के मद्देनजर इस उत्पाद के खुले में और पैकिंग में दोनों रूपों के लिए अलग-अलग सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। चीन जन.गण. के लिए निर्धारित संरचित सामान्य मूल्य को अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

रूस के लिए सामान्य मूल्य

25. प्राधिकारी ने रूस के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नाविलयां प्रेषित कीं। प्राधिकारी को केवल खिमप्रोम पब्लिक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी रूस से ही प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ है। इस वस्तु की बिक्री अवेस्ट्रा कैमिकल डीएमसीसी, यूएई; क्वेस्ट ग्रुप डीएमसीसी यूएई; ट्रिगान गल्फ, एफजेडसीओ, यूएई; क्वेस्ट प्वाइंट एलएलपी, यूके और क्वेस्ट इंटरनेशनल ट्रेडिंग एसए, कनाडा नामक इसके असंबद्ध निर्यातकों/व्यापारियों द्वारा भारत में इसके ग्राहकों को की गई। इस कंपनी ने जांच की अविध के दौरान *** एमटी एमडीसी की बिक्री की है। प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह देखा गया कि अवेस्ट्रा कैमिकल डीएमसीसी, यूएई; क्वेस्ट ग्रुप डीएमसीसी यूएई; ट्रिगान गल्फ, एफजेडसीओ, यूएई; क्वेस्ट प्वाइंट एलएलपी, यूके और क्वेस्ट इंटरनेशनल ट्रेडिंग एसए, कनाडा ने खिमप्रोम पब्लिक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, रूस उत्पादक की भारत को इस संबद्ध वस्तु के कुल निर्यातों में से *** प्रतिशत निर्यात करने के बावजूद प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। चूंकि मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है, इसलिए प्राधिकारी इस अनन्तिम जांच परिणाम के स्तर पर खिमप्रोम पब्लिक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, रूस के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।

26. यह नोट किया जाता हे कि खिमप्रोम पब्लिक ज्वाइंट स्टॉक कंपनी, रूस ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर दिया है, परंतु कंपनी ने पूर्ण प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध निर्यातकों से संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के अभाव में प्राधिकारी ने रूस के लिए सामान्य मूल्य की अनन्तिम रूप से संरचना नियमावली के नियम 6(8) के अंतर्गत विक्रय, सामान्य एवं प्रशासनिक व्ययों को शामिल करते हुए, उनको विधिवत समायोजित करके, भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया है। पैकिंग लागत में भारी अंतर के मद्देनजर इस उत्पाद के खुले में और पैकिंग में, दोनों रूपों के लिए अलग-अलग सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। रूस के लिए निर्धारित संरचित सामान्य मूल्य को अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

लु क्सी कैमिकल (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) के जरिए शांडांग लिआओचेंग लुक्सी सिक्सथ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (उत्पादक) के लिए निर्यात कीमत

27. शांडांग लिआओचेंग लुक्सी सिक्सथ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड ने जांच की अविध के दौरान भारत को इस संबद्ध वस्तु की बिक्री की सूचना दी है। इस वस्तु की बिक्री इसके संबद्ध निर्यातक लुक्सी कैमिकल (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड, हांगकांग के साथ-साथ इसके असंबद्ध निर्यातक ट्रिकान एनर्जी, यूएसए; विन्यार इंटरनेशनल लिमिटेड यूएसए और कास्मास वीयू लिमिटेड हांगकांग के जिए भारत में इसके उपभोक्ताओं को की है। इस कंपनी ने जांच की अविध के दौरान *** एमटी एमडीसीस का भारत को निर्यात किया है। इसके प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह देखा गया कि ट्रिकान एनर्जी, यूएसए; विन्यार इंटरनेशनल लिमिटेड यूएसए और कास्मास वीयू लिमिटेड हांगकांग ने उत्पादक शांडांग लिआओचेंग लुक्सी सिक्स्थ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड की इस संबद्ध वस्तु की भारत को किए गए कुल निर्यातों में से *** प्रतिशत का निर्यात करने के बावजूद प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। चूंकि मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है, इसलिए प्राधिकारी इस अनन्तिम जांच परिणाम के स्तर पर सहयोगकर्ता उत्पादक/निर्यातक शांडांग लिआओचेंग लुक्सी सिक्स्थ कैमिकल फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड के संपूर्ण प्रत्युत्तर को नामंजूर कर देते हैं।

शांडांग डोंग्यूइ फ्लुओं सिलिकन मटीरियल्स कंपनी लिमिटेड, चीन (उत्पादक) के लिए निर्यात कीमत

28. शांगडांग डोंग्यूइ फ्लुओ सिलिकन मटीरियल्स कंपनी लिमिटेड ने जांच की अवधि के दौरान भारत को इस संबद्ध वस्तु का निर्यात करने की सूचना दी है। इस वस्तु की बिक्री भारत स्थित ग्राहकों को सीधे ही की गई है। भारतीय ग्राहकों को यह बिक्रियां एफओबी और सीआईएफ दोनों आधारों पर की गई हैं। इस कंपनी ने जांच की अविध के दौरान भारत को *** एमटी एमडीसी की बिक्री की है। फैक्टरी बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए उत्पादक ने समुद्रपारीय परिवहन, भूभागीय परिवहन, बैंक प्रभार, बीमा, कमीशन, क्रेडिट लागत और वैट का समायोजन करने का दावा किया है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा दावाकृत समायोजनों को अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया है। इस उत्पाद के पैक्ड फार्म के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर औसत निर्यात कीमत का अनन्तिम रूप से निर्धारण किया गया है। जिसे अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

निंग्बो जुहुआ कैमिकल एंड साइंस कंपनी लिमिटेड, चीन के लिए निर्यात कीमत

29. निंग्बो जुहुआ कैमिकल एंड साइंस कंपनी लिमिटेड ने जांच की अविध के दौरान भारत को इस संबद्ध वस्तु के निर्यात की सूचना दी है। इस वस्तु की बिक्री दो सरणियों के जिए की गई है। एक इसके असंबद्ध निर्यातक एच के मोंटेज इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड, हांगकांग है, जो इस संबद्ध वस्तु की बिक्री फार्मासिनो होल्डिंग (एचके) लिमिटेड, हांगकांग नामक एक अन्य निर्यातक/व्यापारी को करता है और कभी-कभी इसकी बिक्री भारत स्थित ग्राहकों को भी करता है। दूसरी सरणी ट्रिकान ड्राइ कैमिकल्स एलएलसी, यूएसए है, जिसके जिरए भी भारत में ग्राहकों को इसकी बिक्री की जाती है। इस कंपनी ने जांच की अविध के दौरान *** एमटी, एमडीसी का भारत को निर्यात किया था। प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह स्पष्ट है कि ट्रिकान ड्राइ कैमिकल्स एलएलसी, यूएसए ने उत्पादक निंग्बो जुहुआ कैमिकल एंड साइंस कंपनी लिमिटेड द्वारा भारत को किए गए इस संबद्ध वस्तु के कुल निर्यात में से *** प्रतिशत निर्यात करने के बावजूद प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। चूंकि मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है, इसलिए प्राधिकारी ने अनन्तिम जांच परिणाम के इस स्तर पर सहयोगकर्ता उत्पादक/निर्यातक निंग्बो जुहुआ कैमिकल एंड साइंस कंपनी लिमिटेड के संपूर्ण प्रत्युत्तर को नामंजूर कर दिया है।

झेजियांग क्वूहना फ्लोर कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन के लिए निर्यात कीमत

30. झेजियांग क्वूहना फ्लोर कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड, चीन ने जांच की अविध के दौरान भारत को इस संबद्ध वस्तु का निर्यात करने की सूचना दी है। भारत को इस संबद्ध वस्तु की बिक्री इसके असंबद्ध निर्यातकों/व्यापारियों फार्मासिनो होलिंडग (एचके) लिमिटेड, हांगकांग, मर्सी ग्रुप कंपनी लिमिटेड, हांगकांग और पालीकेम कारपोरेशन, ताईवान के जिरए की गई थी। भारतीय ग्राहकों को इसकी बिक्री एफओबी एवं सीआईएफ आधार पर की गई है। इस कंपनी ने जांच की अविध के दौरान *** एमटी एमडीसी का निर्यात किया है। प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह देखा जा सकता है कि मर्सी ग्रुप कंपनी लिमिटेड, हांगकांग और पालीकेम कारपोरेशन, ताईवान ने उत्पादक/निर्यातक झेजियांग क्वूहना फ्लोर कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड द्वारा इस संबद्ध वस्तु की कुल बिक्री में से *** प्रतिशत का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने यह ध्यान रखते हुए कि इस संबद्ध वस्तु के *** प्रतिशत के लिए प्रश्नावली प्रत्युत्तर उपलब्ध है, इस अनन्तिम जांच परिणाम के स्तर पर झेजियांग क्वूहना फ्लोर कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड के प्रत्युत्तर उपलब्ध है, इस अनन्तिम जांच परिणाम के स्तर पर झेजियांग क्वूहना फ्लोर कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड के प्रत्युत्तर की स्वीकार कर लिया है। उत्पादक/निर्यातक ने फैक्टरी बाह्य कीमत पर पहुंचने के लिए समुद्रपारीय परिवहन, समुद्रपारीय बीमा, अंतरदेशीय परिवहन, बैंक प्रभारों, क्रेडिट लागत, प्रहस्तन प्रभारों और वैट के समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा दावाकृत समायोजनों को अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया है। पैकिंग लागत में भारी अंतर के मद्देजर इस उत्पाद के खुले रूप के लिए पृथक निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर औसत निर्यात कीमत का अनन्तिम रूप से निर्धारण किया गया है। जिसे अधोलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शीया गया है।

चीन जन.गण. के असहयोगकर्ता उत्पादकों और निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत

31. इस जांच में अन्य निर्यातकों द्वारा सहयोग न किए जाने के मद्देनजर अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण चीन जन.गण. के सहयोगकर्ता निर्यातकों की निर्यात कीमत पर विचार करते हुए की है। प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों के बीच न्यूनतम प्रतिनिधिक आयात कीमत को सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों को अपनाकर की है। फैक्टरी बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्रपारीय परिवहन, समुद्रपारीय बीमा, अंतरदेशीय परिवहन, बैंक प्रभारों, क्रेडिट लागत, प्रहस्तन प्रभारों और वैट के समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा दावाकृत समायोजनों को अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया है। पैकिंग लागत में भारी अंतर के मद्देनजर खुले रूप में और पैक्ड रूप में उपलब्ध उत्पाद के लिए पृथक निर्यात कीमत का निर्धारण किया है तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर औसत निर्यात कीमत का अनन्तिम रूप से निर्धारण किया वाह्य स्तर पर औसत

रूस के लिए निर्यात कीमत

32. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना पर विचार किया है और निर्यात कीमत का निर्धारण भारत में इस विचाराधीन उत्पाद के सभी आयातों पर विचार करते हुए किया है। पैकिंग लागत में भारी अंतर के मद्देनजर खुले रूप में और पैक्ड रूप में उपलब्ध उत्पाद के लिए पृथक निर्यात कीमत का निर्धारण किया है तदनुसार, फैक्टरी बाह्य स्तर पर औसत निर्यात कीमत का अनन्तिम रूप से निर्धारण किया गया है।

पाटन मार्जिन

33. पैक किए गए और खुले/बल्क रूप में उपलब्ध इस संबद्ध वस्तु के लिए प्रस्तावित अलग-अलग सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए इस संबद्ध वस्तु के लिए समग्र रूप से पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है। यह देखा जा सकता है कि इस संबद्ध वस्तु के लिए पाटन मार्जिन न्युनतम से अधिक और पर्याप्त है।

पाटन मार्जिन

देश	उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		यूएस डालर/ एमटी	यूएस डाल <i>र/</i> एमटी	यूएस डालर/ एमटी	%	% रेंज
	शांडांग डोंग्यूइ फ्लुओ-सिलिकान मटीरियल्स कंपनी लिमिटेड ("डोंग्यूइ फ्लुओ सिलिकान")	***	***	***	***	40-50
चीन जन.गण.	झेजियांग क्युहुआ फ्लोर कैमिस्ट्री कंपनी लिमिटेड ("क्युहुआ")	***	***	***	***	55-65
	कोई अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	60-70
रूस	सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	35-45

क्षति मार्जिन

घरेलू उद्योग के विचार

- 34. क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किया है :
 - (i) विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई है और तत्पश्चात इसमें संगत रूप से वृद्धि हुई है।
 - (ii) भारत में उत्पादन एवं खपत में आयातों में 2012-13 में गिरावट आई और तत्पश्चात इसमें संगत रूप से वृद्धि हुई।
 - (iii) संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई है और तत्पश्चात इसमें संगत रूप से वृद्धि हुई है और यह जांच की अवधि के दौरान भी बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग के बाजार हिससे में जांच की अवधि में पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के परिणामस्वरूप विगत वर्ष की तुलना में मामूली सी वृद्धि हुई है और उन देशों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है।
 - (iv) विदेशी उत्पादकों अथवा इन व्यापारियों द्वारा कीमत में कमी करने के कारण भारतीय उत्पादकों के अपनी कीमतें इन आयात कीमतों के अथवा व्यापारियों की पुनर्बिक्री कीमत के अनुरूप बनाने अथवा याचिकाकर्ता द्वारा अपने आर्डर खोने के अलावा अन्य कोई चारा नहीं रहा है।
 - (v) घरेलू उद्योग की कीमतें व्यापार जर्नल्स में रिपोर्ट की गई कीमतों और व्यापारियों द्वारा पेशकश की जा रही कीमतों के संयुक्त प्रभाव को प्रदर्शित करती हैं।
 - (vi) खुले रूप और पैक्ड रूप, दोनों रूपों में आयातित वस्तुएं घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रही है। संबद्ध देशों से इस विचाराधीन उत्पाद के बारे में कीमत अधोरदन समग्र रूप से सकारात्मक है।
 - (vii) घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें प्रपाती रूप से और अक्सर कम करने के लिए दबाव डाला गया।
 - (viii) घरेलू उद्योग की मालसूची में वर्ष 2013-14 तक वृद्धि हुई, परंतु उसके पश्चात जांच की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है।
 - (ix) घरेलू उद्योग के निष्पादन में लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकद लाभ के रूप में वर्ष 2013-14 तक भारी गिरावट आई है परंतु जांच की अवधि के दौरान इसमें मामूली सी वृद्धि हुई है।
 - (x) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट बिना किसी युक्तियुक्त कारणों से आयात कीमतों में कमी होने के कारण आई है। भारी पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा सहन करना पड़ रहा है।

आयातकों/उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 35. क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :
 - (i) क्षित पैरामीटरों का विश्लेषण आधार वर्ष से किया जाना चाहिए परंतु घरेलू उद्योग ने यह वर्ष 2012-13 से किया है।
 - (ii) रूस का कीमत अधोरदन चीन के कीमत अधोरदन की तुलना में अधिक दर्शाया गया है जबिक उतराई मूल्य चीन का अधिक है जबिक रूस का उतराई मूल्य कम है। इससे यह संकेत मिलता है कि कीमत अधोरदन का कृत्रिम रूप से सुजन किया गया है।
 - (iii) जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि नहीं हुई है और यह घरेलू उत्पादन और कुल मांग की तुलना में हुआ है।
 - (iv) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो आधार वर्ष में 34 प्रतिशत था बढ़कर जांच की अवधि के दौरान 41 प्रतिशत हो गया।
 - (v) घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग, उत्पादकता और बिक्री में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जिससे यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग की निधि उगाहने की क्षमता में वृद्धि प्रभावित नहीं हुई है।
 - (vi) घरेलू उद्योग के लिए कीमत निग्रहण अथवा कीमत अवमंदन नहीं हुआ है।
 - (vii) लाभप्रदता, नकदी प्रवाह और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में क्षति अवधि में गिरावट आई परंतु इन सभी कारकों में विगत वर्श 2012-13 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
 - (viii) घरेलू उद्योग के वेतन एवं रोजगार में कोई क्षति प्रदर्शित नहीं की गई है।
 - (ix) संबद्ध देशों से आरोपित पाटित आयात तथा घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध मौजूद नहीं है। संबद्ध देशों से घटते आयातों और घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि के बीच अनुलोमित संबंध है।
 - (x) संबद्ध देशों से आयात कीमत में क्षित अवधि के दौरान 9 प्रतिशत तक की गिरावट आई है जब कि उसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमत में 7 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की कीमतों पर यह प्रभाव उन देशों से आयातों के कारण पड़ा है, जिन पर पाटनरोधी शुल्क पहले से ही लगा है, न कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 36. अनुबंध-॥ के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में प्रावधान है कि किसी क्षित निर्धारण में उन सभी कारकों की जांच अंतर्ग्रस्त होगी जिनसे घरेलू उद्योग को क्षित का संकेत मिलता हो। ".........पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए कीमतों पर उनके प्रभाव, और इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों पर विचार करते हुए कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए यह जांच करना आवश्यक प्रतीत होता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है या क्या इन आयातों का प्रभाव उन कीमतों का भारी मात्रा में अवमंदन करना या कीमतों में वृद्धि को कम करना है जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती।
- 37. नियमावली में यह अपेक्षा की जाती है कि प्राधिकारी क्षित की जांच मात्रा एवं कीमत प्रभाव दोनों की जांच करते हुए करेंगे। क्षिति के निर्धारण (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वसतु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर इन पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की उद्देश्य परक जांच करना अंतर्ग्रस्त होता है। पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में उत्पादन अथवा भारत में खपत के संगत रूप से अथवा अबाधित रूप से भारी वृद्धि हुई है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में

पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है अथवा इन आयातों के प्रभाव से कीमतों में भारी मात्रा में निग्रहण होगा अथवा यह कीमतों में होने वाली उस वृद्धि की प्रतिनिवारित करेगा जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुई होती।

38. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटन रोधी निययमावली के अनुबंध- ॥ के पैरा (iv) निम्नलिखित उल्लेख है:-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक तथ्यों तथा उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले अन्य सभी कारकों जिसमें बिक्री, लाभ, आउट-पुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता के उपयोग में प्राकृतिक और संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले तथ्यों, पाटन के मार्जिन की वास्तविक मात्रा तथा नकदी प्रवाह पर संभावित नकारात्मक प्रभाव, माल सूची, रोजगार, वेतनवृद्धि, पूंजीनिवेश उगाहने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाना शामिल होगा"।

39. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए पूर्वोक्त नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार प्राधिकारी ने उन संकेतकों पर विचार किया है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री प्रमात्रा, स्टाक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्रापण, पाटन मार्जिन एवं उसकी मात्रा आदि।

संचयी आकलन

- 40. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में प्रावधान है कि यदि किसी उत्पाद के आयात एक से अधिक देशों द्वारा किए जा रहे हैं और वे पाटनरोधी जांच के अध्यधीन हैं तो निर्दिष्ट प्राधिकारी यदि निम्नलिखित का निर्धारण करते हैं तो इन आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन करेंगे :
- (i) प्रत्येक देश भू-भाग से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान उत्पाद के आयातों का तीन प्रतिशत है अथवा जहां अलग-अलग देशों के निर्यात तीन प्रतिशत से कम हैं वहां संचयी रूप से यह आयात समान वस्तु के आयातों के सात प्रतिशत से अधिक बनते हैं; और
- (ii) आयातित वस्तु और घरेलू समान वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में इन आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त होता है।

41. वर्तमान मामले में

- क) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन ऊपर निर्धारित सीमा से अधिक है;
- ख) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा उपयुक्त निर्धारित सीमा से अधिक है; और
- ग) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त होगा क्योंकि संबद्ध देशों से आयात प्रत्यक्षत: परस्पर और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु से प्रतिस्पर्धा करती है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में संचयी आकलन का विरोध करते हुए किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।
- 42. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त मानते हैं।
- 43. विस्तृत जांच करने के पश्चात यूरोपियन यूनियन और यूएसए से इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर दिनांक 21 अक्तूबर, 2012 की अधिसूचना के तहत अंतरिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया गया था और दिनांक 21 मई, 2014 की अधिसूचना के तहत निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया गया था। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि ईयू और यूएसए से आयातों में गिरावट आई है वहीं वर्ष 2013-14 और जांच की अविध में चीन और रूस से आयातों में वृद्धि हुई है।

मांग और बाजार हिस्सा

44. इस संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग का आकलन करने के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा को भारत को हो रहे कुल आयातों में जोड़ा गया है और उसे संक्षिप्त रूप से निम्नवत प्रस्तुत किया गया है :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
याचिकाकर्ता की बिक्री	एमटी	60,286	72,879	70,476	73,205
अन्य उत्पादकों की बिक्री	एमटी	33,921	33,597	37,734	33,830
संबद्ध देश आयात	एमटी	16,514	334	6,757	15,629
वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	एमटी	60,974	56,324	62,444	47,571
अन्य देश	एमटी	6,956	279	484	540
कुल मांग/उपभोग	एमटी	178,651	163,413	177,895	170,774

45. यह नोट किया जाता है कि इस विचाराधीन उत्पाद की समग्र मांग ने मामूली सी गिरावट प्रदर्शित की है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि (क) मांग में यह कमी कुछ फार्मा कंपनियों द्वारा खपत में कमी करने के कारण आई है, (ख) घरेलू उद्योग को क्षिति मांग में इस कमी के कारण नहीं आई है क्योंकि जांच की अविध के दौरान भारत में 170,774 एमटी मांग की तुलना में भारतीय उद्योग की संयुक्त क्षमता 117,000 एमटी थी, (ग) देश में इस उत्पाद की भारी मांग के मद्देनजर घरेलू उद्योग को लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह के रूप में घाटा उठाने की कोई जरूरत ही नहीं थी। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने यह तर्क भी दिया है कि जहां जांच की अविध के दौरान इस विचाराधीन उत्पाद की मांग में 4.50 प्रतिशत की समग्र गिरावट प्रदर्शित हुई है, वही इन संबद्ध देशों से आयात जो (वर्ष 2012-13 के दौरान) 334 एमटी थे बढ़कर जांच की अविध के दौरान 15629 एमटी हो गए।

पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

46. पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में पाटित आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि निर्बाध रूप से अथवा भारत में उत्पादन और उपभोग के संगत रूप में हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से इस संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नवत किया गया है :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि		
आयात मात्रा							
संबद्ध देश	एमटी	16,514	334	6,757	15,629		
चीन जन.गण.	एमटी	16,084	334	4,794	12,802		
रूस	एमटी	430	-	1,963	2,827		
वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	एमटी	60,974	56,324	62,444	47,571		
अन्य देश	एमटी	6,956	279	484	540		
कुल आयात मात्रा	एमटी	84,444	56,936	69,685	63,739		
आयात मात्रा का बाजार हिस्सा							
संबद्ध देश	%	19.56	0.59	9.70	24.52		
चीन जन.गण.	%	19.05	0.59	6.88	20.08		

रूस	%	0.51	-	2.82	4.44
वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	%	72.21	98.92	89.61	74.63
अन्य देश	%	8.24	0.49	0.69	0.85
कुल आयात	%	100.00	100.00	100.00	100.00

47. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई और तत्पश्चात इसमें वृद्धि हुई जिससे जांच की अविध में इसमें भारी वृद्धि दर्ज हुई। यह नोट किया जाता है कि उन देशों से आयात, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है, में, दिनांक 21 अक्तूबर, 2012 की अधिसूचना संख्या 24/2013-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया गया था, गिरावट आई है।

संगत रूप में आयात

48. उपभोग और उत्पादन के संबंध में आयातों का विश्लेषण निम्नवत किया गया है:

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
संबद्ध देशों का आयात					
भारत में उत्पादन के संबंध में	%	16.81	0.31	6.05	14.53
भारत में मांग/उपभोग के संबंध में	%	9.24	0.20	3.80	9.15

49. यह नोट किया जाता है कि उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई और तत्पश्चात इसमें वृद्धि हुई।

आयातों का कीमत प्रभाव

50. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया हैं अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों का इतनी अधिक मात्रा में अवमंदन करना अथवा कीमतों में वृद्धि होने से रोकना है, जिनमें अन्यथा भारी मात्रा में वृद्धि हुई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत अधोरदन, कीमत निग्रहण और कीमत अवमंदन के संबंध में की गई है।

कीमत अधोरदन

51. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या इन आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन हुआ है, प्राधिकारी ने आयातों की उतराई कीमत की तुलना घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण से की है :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि				
चीन (लूज और पैक्ड)									
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***				
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***				
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***				
कीमत अधोरदन (%)	%	***	***	***	***				
कीमत अधोरदन (% रेंज)	%	ऋणात्मक	ऋणात्मक	ऋणात्मक	ऋणात्मक				
	*	स (लूजऔरपै	क्ड)						
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	***	-	***	***				
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	-	***	***				
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	_	***	***				
कीमत अधोरदन (%)	%	***	_	***	***				
कीमत अधोरदन (% रेंज)	%	ऋणात्मक	_	ऋणात्मक	5-15				
1	संबद्ध देश (लूज और पैक्ड)								

आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन (%)	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन (% रेंज)	%	ऋणात्मक	ऋणात्मक	ऋणात्मक	ऋणात्मक

52. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान रूस से इस संबद्ध वस्तु की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी। तथापि, चीन जन.गण. के मामले में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना में यह मामूली सी अधिक थी। इसके परिणामस्वरूप कीमत अधोरदन मामूली सा ऋणात्मक रहा है।

कीमत अधोविक्रयण

53. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा सहन किए गए कीमत अधोविक्रयण की जांच भी की है जो निम्नवत है :

विवरण	यूनिट	चीन जन.गण.	रूस
औसत गैर-क्षतिकारी कीमत	यूएस डालर/एमटी	***	***
औसत उतराई मूल्य	यूएस डालर/एमटी	***	***
कीमत अधोविक्रयण	यूएस डालर/एमटी	***	***
कीमत अधोविक्रयण	%	***	***
कीमत अधोविक्रयण	% Range	15-25	25-35

54. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से इस संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण जांच की अवधि के दौरान भारी कीमत अधोविक्रयण सहन करना पड़ा है।

कीमत निग्रहण और अवमंदन

55. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का निग्रहण अथवा अवमंदन कर रहे हैं और क्या इन आयातों के प्रभाव से कीमतों का भारी मात्रा में निग्रहण हुआ है अथवा इनसे कीमतों में वृद्धि होना निवारित हुई है, जिसमें अन्यथा भारी मात्रा में वृद्धि हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति अविध के दौरान कीमत और लागत में परिवर्तनों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ लूज (खुली) और पैक की गई सामग्री की औसत कीमत पर विचार किया है। अधोलिखित तालिका तथ्यपरक स्थिति दर्शाती है :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	70	87	107
संबद्ध देशों का औसत उतराई मूल्य	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	81	84	91
बिक्री लागत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	105	133	132

56. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि उक्त अवधि के दौरान बिक्री लागत में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई परंतु तत्पश्चात उसमें वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, आयातों की उतराई कीमत ने भी बिक्री कीमत के समान ही प्रवृत्ति प्रदर्शित की है। बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत कम है। इस प्रकार आयात घरेलू बाजार में भारी कीमत निग्रहण कारित कर रहे हैं।

घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटर

- 57. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षा करता है कि क्षित के निर्धारण में इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच अंतर्ग्रस्त होगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में पुन: यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारकों एवं संकेतकों की उद्देश्यपरक एवं पक्षपात रहित मूल्यांकन शामिल होगी जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, इनमें शामिल है बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ या क्षमता उपयोग में संभावित एवं वास्तविक गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव मालसूची, रोजगार वेतन, वृद्धि, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता शामिल है।
- 58. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति पैरामीटरों की जांच निम्नवत की गई है :

i. घरेलू उद्योग का उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग

59. घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग का उल्लेख निम्नवत किया गया है :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
संयंत्र क्षमता उपयोग	एमटी	106,688	117,000	117,000	117,000
संयंत्र उत्पादन	एमटी	120,240	135,877	130,133	131,973
संयंत्र क्षमता उपयोग	%	113%	116%	111%	113%
विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन	एमटी	62,788	74,386	71,689	73,335
घरेलू बिक्री मात्रा	एमटी	60,286	72,879	70,476	73,205

- 60. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस विचाराधीन उत्पाद का क्लोरोफार्म के साथ संयुक्त रूप से उत्पाद किया जाता है और टेट्राक्लोराइड सह-उत्पाद के रूप में उत्पादित होता है। चूंकि उत्पादन सुविधाएं समान है और उत्पादों का उत्पादन सह उत्पाद के रूप में किया जाता है, इसलिए क्षमता उपयोग की जांच मिथाइलीन क्लोराइड और क्लोरोफार्म का संयुक्त रूप से उत्पादन पर विचार करते हुए किया गया है।
- 61. यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता कंपनियों में से एक कंपनी ने वर्तमान क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता में वृद्धि कर ली है। इस क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों, उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि मात्रा प्राचल घरेलू उद्योग के नियंत्रणाधीन है और घरेलू उद्योग अधिकतम मात्रा में उत्पादन और बिक्री करने का सर्वोत्तम प्रयास कर रहा है ताकि इसकी नियत लागत का प्रेक्षण बड़े उत्पादन पर किया जा सके। तथापि, पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

Ⅱ. बाजार हिस्सा

62. पाटित आयातों के घरेलू बिक्रियों पर और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर प्रभाव की जांच निम्नवत की गई है :

विवरण	यूनिट	2011-	2012-	2013-14	जांच की अवधि
		12	13		
मांग में बाजार हिस्सा		1	1		1
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	33.75	44.60	39.62	42.87
अन्य उत्पादकों की बिक्री	%	18.99	20.56	21.21	19.81
संबद्ध देश-आयात	%	9.24	0.20	3.80	9.15
उन देशों से आयात जिन पर पाटनरोधी की शुल्क लगा है	%	34.13	34.47	35.10	27.86
अन्य देशों से आयात	%	3.89	0.17	0.27	0.32
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

63. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वर्ष 2012-13 में वृद्धि हुई और वर्ष 2013-14 में गिरावट आई और तत्पश्चात जांच की अवधि में इसमें पुन∶ वृद्धि हुई। संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वर्ष 2012-13 में गिरावट और तत्पश्चात जांच की अवधि में इसमें भारी वृद्धि हुई।

iii. लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह

64. घरेलू उद्योग की बिक्री लागत, बिक्री कीमत और लाभ/हानि का विश्लेषण निम्नवत किया गया है :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
बिक्री लागत – औसत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	105	133	132
बिक्री कीमत – औसत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	70	<i>87</i>	107
लाभ/हानि	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	(140)	(184)	(47)
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	(169)	(215)	(57)
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	(116)	(149)	(22)
निवेश पर प्रतिलाभ	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	(80)	(95)	(11)

- 65. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत वर्ष 2012-13 की बिक्री लागत के स्तर से कम है जिसके परिणामस्वरूप घाटा हुआ। घरेलू उद्योग को अन्य देशों से भी पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है। इस समय जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगा है उनसे हो रहे कम कीमत वाले आयातों से याचिकाकर्ताओं का अपनी कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और इसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता को वर्ष 2012-13 से घाटा होना प्रारंभ हो गया है। घरेलू उद्योग उन देशों पर जांच की अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क आकर्षित करने वाले देशों पर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित होने से अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि करने में सक्षम हुआ। तथापि, संबद्ध देशों से आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत उस स्तर तक भी बढ़ाने से वंचित कर दिया जिस स्तर तक उनकी बिक्री लागत में वृद्धि हुई थी और इसलिए जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा निरंतर बना रहा।
- 66. घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हो रहा है और इसके अतिरिक्त निवेश पर प्रतिलाभ भी वर्ष 2012-13 में ऋणात्मक हो गया और उन देशों से, जिन पर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित है, भारी पाटन होने के कारण वर्ष 2013-14 में नकद घाटा और भी अधिक हो गया। इन देशों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से जांच की अवधि के दौरान नकद लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ में कुछ मामूली सा सुधार हुआ, तथापि संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने पाटन के दुष्प्रभावों से संपूर्ण रूप से उबरने से घरेलू उद्योग को वंचित कर दिया।

iv. मालसूची

67. संबद्ध वस्तु की मालसूची से संबंधित आंकड़े अधोलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	167	328	117

68. उपर्युक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि औसत स्टॉक में वर्ष 2013-14 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात इसमें गिरावट आ गई।

v. रोजगार और वेतन

69. रोजगार और वेतन से संबंधित स्थिति निम्नवत हैं:

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	104	101	102
वेतन	रुपए लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	123	165	151

70. यह देखा जाता है कि जब रोजगार को एक विशिष्ट रेंज के अंतर्गत अनुरक्षित है तो वेतन क्षति अवधि तक बढ़ने की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

vi. उत्पादकता

71. उत्पादकता से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित दर्शाते हैं :

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि
उत्पादकता प्रतिदिन	एमटी/दिवस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	93	110	106	109
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	एमटी/संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	114	113	114

72. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है और उसका उसी दिशा में झुकाव आया है जिस दिशा में उत्पादन का झुकाव था।

vii. पाटन की मात्रा

73. पाटन की मात्रा, उस सीमा की संकेतक के रूप में जिस तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षिति पहुंचा सकते हैं, यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों के विरूद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक और पर्याप्त है।

viii. पूंजी निवेश उगहने की क्षमता

74. यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता कंपनियां बहु-उत्पाद कंपनियां हैं और याचिकाकर्ता कंपनियों में से एक कंपनी क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता में वृद्धि की है। तथापि, वर्ष 2011-12 में भारी अतिरिक्त निवेश करने के बावजूद घरेलू उद्योग को ब्याज, कर एवं अवक्षयण से पूर्व अपने लाभ में वृद्धि करने में सक्षम होना चाहिए था। तथापि, अन्य देशों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के बाद भी उद्योग को घाटा उठाना पड़ रहा है, और इस प्रकार यह पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता को प्रभावित कर रहा है।

ix. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

75. संबद्ध देशों से आयात कीमतों, संरचना लागत में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा पर विचार करते हुए पाटित आयातों के अलावा उन अन्य कारकों पर विचार करते हुए, जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामान का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना में बहुत कम है, जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत अधोरदन और कीमत अधोविक्रयण हो रहा है। इस उत्पाद का कोई अन्य व्यवहार्य प्रतिस्थानी नहीं है। इस उत्पाद की मांग घरेलू उद्योग द्वारा सामना किए जा रहे कीमत निग्रहण के लिए उत्तरदायी नहीं है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए उत्तरदायी एकमात्र कारक इस उत्पाद की आयात कीमतें और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत है। जैसाकि सूचना दर्शाएगी, इन आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें लागत में वृद्धि के अनुरूप बढ़ाने से वंचित किया है।

x. वृद्धि

76. घरेलू उद्योग का विकास विपरीत है, क्योंकि वर्ष 2011-12 को छोड़कर जांच की अवधि के दौरान लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह से संबंधित विकास पर्याप्तत: ऋणात्मक रहा है।

xi. उद्योग पाटित आयातों के विगत प्रभावों से उबर रहा है

77. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि नियमावली के अंतर्गत वर्णित विभिन्न क्षति पैरामीटर सर्वांगीण नहीं हैं और इस प्रकार प्राधिकारी घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले किसी भी अन्य कारक का विश्लेषण कर सकते हैं। यह प्रस्तुतिकरण किया गया है कि घरेलू उद्योग उन अन्य देशों द्वारा कारित पाटन के दुष्प्रभावों से मुक्त होने पर प्रयास कर रहा है जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है। तथापि, मौजूदा संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग के विकास को निवारित कर रहा है। इस संबंध में यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग के अन्य देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद लगातार घाटा हो रहा है।

वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

78. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव की जांच करने के पश्चात यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई और तत्पश्चात इसमें निर्वाध रूप से तथा भारत में उत्पादन और खपत के संगत रूप से वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वर्ष 2012-13 में गिरावट आई और तत्पश्चात इसमें वृद्धि हुई। अनन्तिम रूप से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण मात्रा क्षित नहीं हुई है। तथापि, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू उद्योग की कारण कीमत अधोरदन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को जांच की अवधि में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण भारी कीमत निग्रहण हुआ है। लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर प्रतिलाभ ऋणात्मक रहा है। अन्य देशों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के बावजूद घरेलू उद्योग को जांच की अवधि में संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण घाटा उठाना पड़ा है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यद्यपि उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्रियां, बाजार हिस्सा के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है, तथापि, लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में कमी आई है। इस प्रकार प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

79. वास्तविक क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी ने कीमत अधोरदन, अधोविक्रयण और कीमत निग्रहण एवं अवमंदन प्रभाव, भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक पैरामीटरों की जांच यह देखने के लिए की कि क्या पाटित आयातों के अलावा कोई अन्य कारक है जिसने घरेलू उद्योग की क्षति में अपना योगदान दिया हो।

क) तृतीय देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

80. यह नोट किया गया कि इस विचाराधीन उत्पाद के अन्य देशों से आयात या तो मात्रा के रूप में नगण्य रहे हैं या उन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात कीमतें जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक नहीं है।

ख) मांग में संकुचन और खपत के प्रतिमान में परिवर्तन

81. जैसाकि इससे पूर्व नोट किया गया है, घरेलू बाजार में इस संबद्ध वस्तु के लिए खपत के प्रतिमान और मांग परिदृश्य यह दर्शाता है कि क्षति अविध के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग में गिरावट आई है, जिसके लिए कुछ फार्मा कंपनियों द्वारा खपत को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है। तथापि, यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में गिरावट के कारण नहीं हुई है क्योंकि भारत में कुल 170,774 एमटी मांग की तुलना में भारतीय उद्योग की संयुक्त क्षमता 189000 एमटी थी और इसलिए देश में इस उत्पाद की भारी मांग के मद्देनजर घरेलू उद्योग को लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह के लिए घाटा उठाने की आवश्यकता नहीं थीं।

ग) प्रौद्योगिकी में विकास

82. इस संबद्ध उत्पाद का उत्पादन करने की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं आया है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी में विकास वह कारक नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

घ) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

83. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है जिसने घरेलू उद्योग की क्षति में अपना योगदान दिया हो।

ड.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

84. प्राधिकारी द्वारा जांच की गई क्षति सूचना घरेलू प्रचालनों से संबंधित है और इसलिए, निर्यात निष्पादन ने घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं की है।

च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

- 85. यह नोट किया जाता है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन तथा प्रतिदिन उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में जांच की अवधि के दौरान सुधार हुआ है।
- 86. इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि अन्य ज्ञात कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति सहन करनी पड़ी है। प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या इस उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति कारित हुई है। अधोलिखित पैरामीटर यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों द्वारा कारित की गई है :
- क) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी अधोरदन कर रहे हैं।
- ख) घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों में वृद्धि करने से वंचित किया गया। घरेलू उद्योग द्वारा सहन किया गया कीमत निग्रहण संबद्ध देशों से इस उत्पाद के पाटन के कारण हुआ है।
- ग) घरेलू उद्योग को अपनी उत्पादन लागत से भी कम कीमतों पर बिक्री करने के लिए मजबूर किया गया जिसके कारण उन्हें भारी वित्तीय घाटा हुआ। इस प्रकार, आयातों द्वारा कारित किया गया कीमत निग्रहण के परिणामस्वरूप जांच की अवधि में वित्तीय घाटा हुआ।
- घ) लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन कीमत निग्रहण और कीमत अधोरदन के परिणामस्वरूप ऋणात्मक रहा। इस प्रकार, इस उत्पाद के पाटन से घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर प्रतिलाभ के रूप में गिरावट आई है।
- ङ) अन्य देशों पर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित होने के बावजूद, घरेलू उद्योग को जांच की अवधि में घाटा संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण हो रहा है।
- 87. इसलिए, अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

क्षति मार्जिन का परिमाण

क्षति मार्जिन

88. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की निर्धारित गैर-क्षितकारी कीमत की तुलना जांच की अविध के दौरान क्षिति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देशों के निर्यातों के उतराई मूल्य से की गई है। इस तरह निर्धारित क्षिति मार्जिन निम्नलिखित है:

पाटन मार्जिन

		नाटन मााज	-1			
देश	उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		यूएस डालर/ एमटी	यूएस डालर/ एमटी	यूएस डालर/ एमटी	%	% रेंज
0	शांडांग डोंग्यूइ फ्लुओ-सिलिकान मटीरियल कंपनी लिमिटेड (''डोंग्यूइ फ्लुओ सिलिकान'')	***	***	***	***	15-25
चीन जन गण	झेजियांग क्युहुआ फ्लोर कैमिकल कंपनी लिमिटेड (''क्युहुआ'')	***	***	***	***	20-30
	कोई अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	35-45
रूस	सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	25-35

ठ. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

89. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से भारत में इस उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ कम होगा, घरेलू उद्योग का पतन होने से रूकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की व्यापक उपलब्धता बनाए रखने में सहयोग मिलेगा। सामान्यत: पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का प्रशमन करना है तािक भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रिहत प्रतिस्पर्धा कायम हो सके जो देश के सामान्य हित में है। इसिलए, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से उपभोक्ताओं को इस संबद्ध वस्तु की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी यह नोट करते है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और इसिलए उपभोक्ताओं इस संबद्ध वस्तु की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता अभी भी इस उत्पाद की आपूर्ति के दो अथवा उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

ड. सिफारिश

- 90. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं :
 - क) इस विचाराधीन उत्पाद के यूरोपियन यूनियन और यूएसए से आयातों पर इससे पूर्व अंतरिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण दिनांक 21 अक्तूबर, 2012 की अधिसूचना के तहत तथा निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण दिनांक 21 मई, 2014 की अधिसूचना के तहत किया गया था। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि ईयू और यूएसए से आयातों में गिरावट आई है वहीं चीन जन.गण. और रूस से आयातों में वर्ष 2013-14 तथा जांच की अविध के दौरान भारी वृद्धि हुई है जिससे प्रारंभिक जांच की संस्तुति न्यायोचित ठहरती है।
 - ख) इस विचाराधीन उत्पाद का भारत को संबद्ध देशों से सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया। पाटन मार्जिन सकारात्मक है और इतना अधिक है कि उससे प्रारंभिक शुल्क की सिफारिश करना न्यायोचित लगता है।
 - ग) घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी है।
 - घ) घरेलू उद्योग को यह वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।
- 91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच प्रारंभ की गई तथा सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसकी सूचना दी गई और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षित और कारणात्मक संबंध के सभी पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी पद्रान कराने के लिए उन्हें पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटनरोधी नियमावली में दी गई शर्तों के अनुरूप पाटन, क्षित और कारणात्मक संबंधी की जांच प्रारंभ करके एवं आयोजित करके घरेलू उद्योग के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा इन पाटित आयातों के कारण हुई वास्तविक क्षिति की स्थापना करने के पश्चात प्राधिकारी का विचार है कि पाटन और परिणामी "क्षिति" को दूर करने के लिए निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करना अपेक्षित है जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षिति दूर हो सके। घरेलू उद्योग ने सहन की जा रही क्षिति का निराकरण करने के लिए पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षिति के मार्जिन से न्यूनतर के बराबर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षिति दूर की जा सके।
- 92. प्राधिकारी यह अपनाए गए न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षित मार्जिन के न्यूनतर के बराबर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षिति को दूर किया जा सके। तदनुसार, संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका में विनिर्दिष्ट राशि के अनुरूप अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

			l <u> </u>	ال الدين ال		2-2		2	I
क्र. सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
1	290312	डाइक्लोरो-	चीन	चीन	शांडांग	शांडांग	144.41	एमटी	यूएस
		मिथेन	जन गण.	जन गण	डोंग्यूइ	डोंग्यूइ			डोलर
		(मिथाइलीन			फ्लुओ-	फ्लुओ-			
		क्लोराइड)			सिलिकान	सिलिकान			
		141149)			<u>मैटीरियल्स</u>	मैटीरियल्स			
					कंपनी	न नटारियरस कंपनी			
					लिमिटेड लिमिटेड	्रावसा लिमिटेड			
			चीन	चीन					
2	290312	डाइक्लोरो-			झेजियांग	फार्मासिनो २०:	163.70	एमटी	यूएस
		मिथेन	जन.गण.	जन.गण.	क्युहुआ	होल्डिंग			डालर
		(मिथाइलीन			फ्लोर	(एचके)			
		क्लोराइड)			कैमिस्ट्री	लिमिटेड,			
					कंपनी	हांगकांग			
					लिमिटेड				
3	290312	डाइक्लोरो-	चीन	चीन	झेजियांग	पालीकेम	163.70	एमटी	यूएस
		मिथेन	जन गण.	जन गण	क्युहुआ	कारपोरेशन			डालर
		(मिथाइलीन			फ्लोर	ताईवान			
		क्लोराइड)			कैमिस्ट्री				
		,			कंपनी				
					लिमिटेड				
4	290312	डाइक्लोरो-	चीन	चीन	झेजियांग	मर्सी ग्रुप	163.70	एमटी	यूएस
4	290312	मिथेन मिथेन	जन गण.	जन.गण.	क्युहुआ क्युहुआ	कंपनी	103.70	3.131	डालर
		(मिथाइलीन	91.1.11.11.	9111,1191.	्र पुरुआ पुलोर	लिमिटेड 			31/1/
		(ग्याइलाग क्लोराइड)			कैमिस्ट्री	हांगकांग हांगकांग			
		पलाराइड)			कामस्ट्रा कंपनी	हागकाग 			
					लिमिटेड	<u> </u>			
5	290312	डाइक्लोरो-	चीन	चीन		संख्या 1,2,3	232.47	एमटी	यूएस
		मिथेन	जन.गण.	जन.गण.		ब्रोड़कर कोई · :			डालर
		(मिथाइलीन			अन्य स	नंयोजन <u> </u>			
		क्लोराइड)	_			T			
6	290312	डाइक्लोरो-	चीन	कोई	कोई	कोई	232.47	एमटी	यूएस
		मिथेन	जन गण.						डालर
		(मिथाइलीन							
		क्लोराइड)							
7	290312	डाइक्लोरो-	संबद्ध	चीन	कोई	कोई	232.47	एमटी	यूएस
]		मिथेन	देशों के	जन गण			· · ·		डालर
		(मिथाइलीन	अलावा						
		क्लोराइड))	कोई						
		¬VII(1 2'9))	अन्य देश						
8	290312	डाइक्लोरो-	रूस	रूस	कोई	कोई	194.43	एमटी	यूएस
		मिथेन			·		,,,,	'	डालर
		(मिथाइलीन							
		क्लोराइड)							
9	290312	डाइक्लोरो-	रूस	कोई	कोई	कोई	194.43	एमटी	यूएस
	290312	मिथेन	, ,,	', ~			134.43	, , , ,	डालर
		, , , ,							
								1	

		(मिथाइलीन क्लोराइड)							
10	290312	डाइक्लोरो- मिथेन (मिथाइलीन क्लोराइड)	संबद्ध देशों के अलावा कोई अन्य देश	रूस	कोई	कोई	194.43	एमटी	यूएस डालर

नोट: जहां कहीं किसी संबद्ध देश के संबंध में किसी सीमाशुल्क अधिसूचना में इस सम्बद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क का अतिछादन हुआ है, तो उस सम्बद्ध देश पर लागू शुल्क वह होगा जो सीमाशुल्क अधिसूचना के अंतर्गत अधिरोपित किया गया और जिसमें उस देश का उल्लेख विशेष रूप से 'उदगम का देश 'कालम के अन्तर्गत किया गया।

ढ. अगली प्रक्रिया

- 93. इस प्रारंभिक जांच परिणाम को अधिसूचित कर दिए जाने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :
 - (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इस प्रारंभिक जांच परिणाम पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा। हितबद्ध पक्षकार इस जांच-परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के अंदर अपने विचारों से भी अवगत कराएंगे।
 - (ख) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक पन: जांच का आयोजन करेंगे।
 - (ग) प्राधिकारी अंतिम जांच-परिणाम घोषित करने से पहले अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

ए. के. भल्ला, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th October, 2015

(Preliminary Findings)

Subject: Anti-dumping Investigation concerning import of "Methylene Chloride" originating in or exported from China PR and Russia-Preliminary Findings-reg.

No. 14/33/2014-DGAD.—Whereas in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the AD Rules or the Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), received a written application from M/s. Chemplast Sanmar Limited and M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd. (hereinafter also referred to as the petitioners or applicants) on behalf of the domestic industry producing Methylene Chloride [hereinafter referred to as the subject goods or the product under consideration (PUC)] in India, alleging dumping of the subject goods from People's Republic of China and Russia (hereinafter referred to as the subject countries).

2. Whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 7th April 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to consider recommendation of the anti-dumping duty.

A. PROCEDURE

- 3. The following Procedure described below has been followed with regard to this investigation:
 - i. The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of an application from the applicants alleging dumping before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Anti-dumping Rules.

- ii. The Authority issued a public notice dated 7th April, 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.
- iii. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicants) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing within the prescribed time in accordance with the Rule 6(2) of the Anti-dumping Rules.
- iv. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India (whose details were made available by the Applicants) and advised them to make their views in writing within the prescribed time limit.
- v. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and the embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Anti-dumping Rules. A copy of the Application was also made available other interested parties, upon request.
- vi. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:
 - a. Shandong Dongyue Chemical Co., Ltd..
 - b. Jiangsu Meilan Chemical Co., Ltd..
 - c. Zhejiang Juhua Co., Ltd..
 - d. JSC Khimprom
 - e. Kong Long Huat
 - f. Zouping Changshan Zefeng Fertilizer Co., Ltd..
 - g. Dalian Richfortune Chemical Company
 - h. Tianjin Yuanlong Chemical Industry Co., Ltd..
- vii. The Authority received responses from the following exporters from the subject countries:
 - a. Shandong Liaocheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd., China PR
 - b. Lu Xi Chemical (Hong Kong) Co.Ltd., Hong Kong (Exporter)
 - c. Shandong Dongyue Fluo-Silicon Materials Co. Ltd., China PR
 - d. Ningbo Juhua Chemical & Science Co. Ltd., China PR
 - e. Zhejiang Quhna Flour-chemistry Co. Ltd., China PR
 - f. Farmasino Holding (HK) Limited, Hong Kong (Exporter)
 - g. HK Montage International Holding Limited, Hong Kong (Exporter)
 - h. Khimprom Public Joint Stock Company, Russia
- viii. However, none of the exporters from China PR either claimed market economy treatment or filed questionnaire response to the market economy questionnaire issued by the Designated Authority. Further, Shandong Liaocheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd., China PR, Khimprom Public Joint Stock Company, Russia and Trade Representation of the Russian Federation in India, filed legal submissions.
- ix. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:
 - a. Vardhaman Trading Corporation
 - b. Harsh Kumar & Company
 - c. Hetero Labs Ltd.
 - d. Dr. Reddy's Laboratories Ltd.
 - e. Aurobindo Pharma Ltd.
 - f. Covalent Laboratories Ltd.
 - g. Ranbaxy Laboratories Ltd.
 - h. Ralchem Limited
 - i. Morpean LABS

- j. Surya Medicare Limited
- k. Indsol Drugs Limited
- 1. Meghmani Organics Limited
- m. United Phosphorus Limited
- n. KDL Biotech Limited
- Sun Pharmaceuticals Industries Limited
- p. Rails India Limited
- q. Alembic Limited
- r. Hindustan Chemicals Industries
- x. M/s. Aurobindo Pharma Ltd., Dr. Reddy's Laboratories Ltd., Sandeep Organics Pvt Ltd. responded to the initiation notification by filing importer's questionnaire/submissions.
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii. Investigation was carried out for the period of investigation (POI) starting from October, 2013-September, 2014 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the period from 2011-12, 2012-13, 2013-14 and the POI.
- xiii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation. The transaction wise import data received from the DGCI&S has been relied upon by the Authority in this preliminary finding.
- xiv. The cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out in accordance with Annexure III of the anti-dumping rules so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xv. On the spot verification of the information provided by the applicants was carried out to the extent considered necessary for the preliminary findings.
- xvi. The submissions made by the interested parties considered relevant by the Authority have been addressed in the preliminary findings.
- xvii. *** in this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii. The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =Rs 61.65

B. Product Under Consideration and Like Article

Views of the Domestic Industry

- a) Methylene chloride is an organic compound with molecular formula CH2Cl2. It is a colorless liquid with sweetish ether-like odor, and is used as a solvent predominantly. It is essentially non-flammable under most conditions of use but can burn if strongly heated.
- b) There are no known grades of the subject goods. However, it can be traded in loose (in tankers) or packed form (in drums), thereby, having direct effect on prices.
- c) Methylene Chloride is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under customs subheading 29031200. The Customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
- d) There is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. Injury margin and dumping margin has been calculated for loose/unpacked and packed product separately.

Views of the other interested parties

None of the exporters, importers or consumers has offered any views with regard to the product under consideration.

Examination of the Authority

- 5. The product under consideration for the purpose of present investigation is "Methylene Chloride" also known as "Dichloromethane" and "Methylene Dichloride" (MDC) originating in or exported from China PR and Russia.
- 6. Methylene chloride is an organic compound with molecular formula CH2Cl2. It is a colorless liquid with sweetish ether-like odor, and is used as a solvent predominantly. It is essentially non-flammable under most conditions of use but can burn if strongly heated. Methylene Chloride may decompose at high temperatures forming toxic gases. It is completely miscible with a variety of solvents. MDC is a solvent and is used in the manufacturing of polycarbonate and phenolic resins, rayon yarn, pharmaceuticals, agro and fragrance. It is also used as an extractant for edible fats, cocoa, butter and essences.
- 7. There are two technologies for production of Methylene Chloride Methane route and Methanol route. The product produced through the two routes has essentially similar technical specifications. Methylene Chloride is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act under customs subheading 29031200. The Customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
- 8. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

9. After considering the information on record, the Authority has determined that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods. The consumers are using the two interchangeably.

C. Domestic Industry and Standing

10. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under: -

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"

- 11. The Application has been jointly filed by M/s. Chemplast Sanmar Ltd.. and M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd.. According to the application, there are two other producers, namely, Gujarat Alkalies & Chemicals Limited and SRF Ltd.. The Authority notes that production of the petitioners constitutes almost 68% of the Indian productions and, therefore, the production by the petitioners constitutes a major proportion in the total production of the like product produced in India. It is further stated in the application that none of petitioners has imported the product under consideration, nor they are related to an importer or exporter of the product under consideration.
- 12. On the basis of information on record and having regard to the Rules, the Authority determines that the application has been made by or on behalf of the domestic industry and the application satisfies the requirement of 'standing' under Rule 5 of the AD Rules. Further, the production of the petitioning companies constitutes a major proportion in Indian production and the petitioner companies are eligible domestic industry. The petitioners, therefore, constitute 'Domestic Industry' in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

D. Miscellaneous Submissions

View of the Importers/consumers and other interested parties

- 13. No interested party except M/s. Shandong Liancheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd., China PR and Khimprom Public Joint Stock Company, Russia has made any submissions. Submissions made by them are as follows:
 - i. The imports from EU, Korea and USA are as high as 77% in the POI. It is submitted that the injury to the domestic industry is due to imports from the said countries and not from the subject countries in the current POI.

- ii. The imports from the countries attracting anti-dumping duty (ADD) are about 80% in the POI and the share of imports from Russia is de-minimis, i.e., nearly 2.94%.
- iii. The complete import data has not been provided by the domestic industry. Import data up to June 2014 is provided and no import data for the period of July 2014-September 2014 has been provided. In the absence of complete import data, claim of domestic industry with regard to export price and dumping margin fails.
- iv. The domestic industry has utilized import data of two different sources for the investigation, i.e., DGCI&S data and Tips Software Services Pvt. Ltd.. whereas in the previous investigation for the same product from different countries, domestic industry has utilized import data of only one source, i.e., DGCI&S.
- v. Application fails to meet the test of accuracy and adequacy in terms of evidence and information. Evidence of dumping, injury, where applicable, and a causal link between the dumped imports and the alleged injury should be provided.
- vi. Majority of imports into India are under duty free schemes which are not subject to anti-dumping duty. So such imports are required to be excluded.
- vii. The price undercutting of Russia is shown higher as compared to price undercutting of China whereas the landed value for China is higher than that of Russia. It indicates that the price undercutting is taken artificially.

Examination by Authority

- 14. The submissions made by the interested parties have been analyzed by the Authority as follows:
 - a. With regard to the argument that import from Russia is de-minimis, the Authority notes that at the time of initiation of current investigation the share of Russian imports was 3.40%. The Authority has now adopted DGCI&S transaction wise data for the purpose of determining volume and value of imports for the present investigation. It is noted that the share of imports from Russia is above de-minimis (4.44%).
 - b. With regard to the argument that imports from countries attracting ADD hold major share in imports and are causing injury, it is noted that the imports from countries attracting anti-dumping duty declined whereas imports from the subject countries have increased significantly over the injury period. It is noted that dumping margin and injury margin determined for the subject goods from the subject countries is significantly positive showing that dumped imports from the subject countries are causing injury to the domestic industry.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Subject Countries	MT	16,514	334	6,757	15,629
Countries attracting ADD	MT	60,974	56,324	62,444	47,571
Other Countries	MT	6,956	279	484	540
Total Imports	MT	84,444	56,936	69,685	63,739

- c. With regard to the argument that domestic industry has adopted import data of two different sources for the petition, i.e., DGCI&S data and Tips Software Services Pvt. Ltd., the Authority notes that at the stage of initiation, the Authority is required to satisfy itself that there is sufficient evidence to justify initiation of investigations and the domestic industry used DGCI&S data upto the period for which it was available with them at that stage. However, presently, the DGCI&S transaction wise data has become available and the Authority has procured DGCI&S transaction wise data and the analysis for the purpose of the present determination has been made on the DGCIS data.
- d. With regard to the argument that majority of imports into India are under advance license and therefore should be excluded, the Authority notes that imports made under duty exemption scheme create competition and change the price line as the importers would procure the goods from foreign exporters or domestic producers whosoever gives them the competitive price. Therefore, the imports made under duty exemption scheme cannot be considered not to have affected the price in the market and therefore cannot be excluded while determining imports.
- 15. The product under consideration is produced and supplied in two forms (a) bulk shipments in loose form and (b) packed shipments. The Authority has determined separate normal value and export price of loose/unpacked imports and packed imports. Dumping margin has been determined on the basis of Weighted Average.

Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Market Economy Treatment (MET) Examination for all producers and exporters from China PR

- 16. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR is to be treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules for the purposes of preliminary determination.
- 17. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
 - The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - ii. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - iii. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
 - iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 18. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring below mentioned producers and exporters from China PR, none of the producer/exporter from China PR has co-operated in this investigation by filing their Questionnaires' responses. The questionnaire response has been filed by the following companies:
 - i. Shandong Liaocheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd., China PR
 - ii. Lu Xi Chemical (Hong Kong) Co.Ltd., Hong Kong (Exporter)
 - Shandong Dongyue Fluo-Silicon Materials Co. Ltd., China PR
 - iv. Ningbo Juhua Chemical & Science Co. Ltd., China PR
 - v. Zhejiang Quhna Flour-chemistry Co. Ltd., China PR
 - vi. Farmasino Holding (HK) Limited, Hong Kong (Exporter)
 - vii. HK Montage International Holding Limited, Hong Kong (Exporter)
- 19. It is noted that neither of the above mentioned producers has claimed market economy treatment nor has not sought to rebut the non-market economy presumption. Since none of the Chinese companies has claimed market economy treatment, the Designated Authority has not determined whether any of the Chinese producers could be granted market economy treatment.

Normal Value in China

- 20. As none of Chinese producers and exporters has submitted the questionnaires' responses; the Authority has constructed the Normal Value in China PR on the basis of Para-7 to Annexure-I to the AD Rules.
- 21. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties

to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments".

- 22. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
 - a) On the basis of the price in a market economy third country, or
 - b) The constructed value in a market economy third country, or
 - c) The price from such a third country to other countries, including India.
 - d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
- 23. The Authority notes that for determination of the normal value based on the third country cost and prices, complete and exhaustive transaction-wise data on the domestic sales of third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required, which is not available with the Authority in the present investigation. Also, no such verifiable information with regard to prices and costs prevalent in other such market economy third countries have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country.
- 24. Considering that there has been no MET response from any exporter/producer of the subject goods from China PR and further noting that information/data regarding appropriate market economy third country for determination of normal value in China PR is not available on record; the Authority has considered the normal value in China PR on available 'reasonable facts basis', in terms of second proviso of para 7 of Annexure 1 to the AD Rules. Accordingly, the Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of the cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses. Separate normal value has been determined for loose and packed form of the product in view of significant difference in packing costs. The constructed normal value determined for China PR is shown in the dumping margin table below.

Normal Value in Russia

- 25. The Authority sent questionnaires to the known exporters from Russia. The Authority has received response only from the exporter Khimprom Public Joint Stock Company, Russia. The goods have been sold through its unrelated exporters/ traders namely, Avestra Chemical DMCC, UAE; Quest Group DMCC, UAE; Trigon Gulf, FZCO, UAE; Quest Point LLP, UK and Quest International Trading SA, Canada, to customers in India. The company has exported *** MT of MDC during the POI. It is seen from the questionnaire response that Avestra Chemical DMCC, UAE; Quest Group DMCC, UAE; Trigon Gulf, FZCO, UAE; Quest Point LLP, UK and Quest International Trading SA, Canada, have not filed their questionnaire response despite exporting ***% of the total exports of subject goods to India of the producer Khimprom Public Joint Stock Company, Russia. Since the value chain is not complete, the Authority, at the stage of the provisional findings has not determined the individual dumping margin in respect of Khimprom Public Joint Stock Company, Russia.
- 26. It is noted that the Khimprom Public Joint Stock Company, Russia responded to the authority, the company has not filed complete response to questionnaire. The Authority notes that in the absence of complete value chain from the subject exporters, the Authority has provisionally constructed the normal value for Russia on the basis of the cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses under Rules 6(8). Separate normal value has been determined for loose and packed form of the product in view of significant difference in packing costs. The constructed average normal value determined for Russia is shown in the dumping margin table below.

Export Price for China PR

Export Price for Shandong Liaocheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd., China PR (Producer) through Lu Xi Chemical (Hong Kong) Co.Ltd., Hong Kong (Exporter)

27. Shandong Liaocheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd., has reported export of the subject goods to India during the POI. The goods have been sold through its related exporter Lu Xi Chemical (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong, as well unrelated exporters Tricon Energy, USA; Vinmar International Ltd., USA and Cosmos VU Ltd., Hong Kong, to customers in India. The company has exported *** MT of MDC during the POI. It is seen from the questionnaire response that Tricon Energy, USA; Vinmar International Ltd., USA and Cosmos VU Ltd., Hong Kong have not filed their questionnaire response despite exporting ***% of the total exports of subject goods to India of the producer Shandong Liaocheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd.. Since the value chain is not complete, the Authority, at the stage of the provisional findings, rejects the complete response of the cooperative producer/exporter Shandong Liaocheng Luxi Sixth Chemical Fertilizer Co. Ltd..

Export Price for Shandong Dongyue Fluo-Silicon Materials Co. Ltd., China (Producer)

28. Shandong Dongyue Fluo-Silicon Materials Co. Ltd. has reported export of the subject goods to India during the POI. The goods have been sold directly to customers in India. The sales to Indian customers are on both FOB and CIF basis. The company has exported *** MT of MDC to India during the POI. The producer has claimed adjustments towards overseas transportation, Inland transportation, bank charges, insurance, commission, credit cost and VAT to arrive at ex factory export price. The Authority has provisionally admitted the adjustments claimed by the exporter. Export price has been determined for packed form of the product. Accordingly, the average export price at ex-factory level is provisionally determined which is as shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for Ningbo Juhua Chemical & Science Co. Ltd., China

29. Ningbo Juhua Chemical & Science Co. Ltd. has reported export of subject goods to India during the POI. The goods have been sold through two channels. One is through its unrelated exporter HK Montage International Holding Ltd., Hong Kong who further sells the subject goods to another exporter/trader, namely, Farmasino Holding (HK) Ltd., Hong Kong and eventually to customers in India. The second channel is through Tricon Dry Chemicals LLC, USA to customers in India. The company has exported ***MT of MDC during the POI. It is seen from the questionnaire response that Tricon Dry Chemicals LLC, USA has not filed its questionnaire response despite exporting ***% of the total exports of subject goods to India of the producer Ningbo Juhua Chemical & Science Co. Ltd.. Since the value chain is not complete, the Authority, at the stage of the provisional findings, rejects the complete response of the cooperative producer/exporter Ningbo Juhua Chemical & Science Co. Ltd..

Export Price for Zhejiang Quhna Flour Chemistry Co. Ltd., China

30. Zhejiang Quhna Flour Chemistry Co. Ltd., has reported export of subject goods to India during the POI. The goods have been sold through unrelated exporters/traders Farmasino Holding (HK) Ltd., Hong Kong, Mercy Group Co. Ltd., Hong Kong and Polychem Corporation, Taiwan, to customers in India. The sales to Indian customers are on FOB and CIF basis. The company has exported *** MT of MDC during the POI. It is seen from the questionnaire response that Mercy Group Co. Ltd., Hong Kong and Polychem Corporation, Taiwan have exported ***% of the subject goods of the producer/exporter Zhejiang Quhna Flour Chemistry Co. Ltd.. but not filed their questionnaire response. The Authority, keeping in view that questionnaire response of ***% of the subject goods are available, the Authority, at the stage of the provisional findings, accepts the response of the Zhejiang Quhna Flour Chemistry Co. Ltd.. The producer/exporter has claimed adjustments towards overseas transportation, overseas insurance, Inland transportation, bank charges, credit cost, handling charges and VAT to arrive at ex factory export price. The Authority has provisionally admitted the adjustments claimed by the exporter. Separate export price has been determined for loose form of the product in view of significant difference in packing costs. Accordingly, the average export price at ex-factory level is provisionally determined which is as shown in the Dumping Margin Table below.

Export price in case of non-cooperative producers and exporters from China PR

31. In view of the non cooperation of other exporters in this investigation, the export price for other exporters has been determined considering the export price of the cooperating exporter from China. The Authority has adopted lowest representative import price from amongst the cooperative producers/exporters during the POI as best facts available. Price adjustments have been considered towards overseas transportation, Inland transportation, bank charges, insurance, commission, credit cost and VAT to arrive at ex factory export price. The Authority has provisionally admitted the adjustments claimed by the exporters. Separate export price has been determined for loose and packed form of the product in view of significant difference in packing costs. Accordingly, the average export price at ex-factory level is provisionally determined which is as shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for Russia

32. The Designated Authority has considered information received from the DGCI&S and has determined export price considering all imports of the product under consideration in India. The price adjustments have been considered towards overseas transportation, Inland transportation, bank charges, insurance, commission, and port handling charges to arrive at ex-factory export price. Separate export price has been determined for loose and packed form of the product in view of significant difference in packing costs. Accordingly, the average export price at ex-factory level is provisionally determined which is as shown in the Dumping Margin Table below.

Dumping Margin

33. Considering the proposed normal value and export price for the subject goods, separately for packed and loose/bulk form as determined above, dumping margin for the subject goods as a whole has been determined as follows. It is seen that the dumping margin for the subject goods is more than de-minimis and significant.

Dumping Margin

Country	Producer/Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
		US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	% Range
China DD	Shandong Dongyue Fluo-Silicon Materials Co., Ltd ("Dongyue Fluo- silicon")	***	***	***	***	40-50
China PR	Zhejiang Quhua Flour-chemistry Co. Ltd. ("Quhua")	***	***	***	***	55-65
	Any Other Producer/Exporter	***	***	***	***	60-70
Russia	All Producers/Exporters	***	***	***	***	35-45

Injury Determination

Views of the Domestic Industry

- 34. The submissions made by domestic industry with regard to injury and casual link are as follows:
 - i. Imports of the product under consideration declined in 2012-13 and thereafter increased consistently.
 - Imports in relation to production and consumption in India declined in 2012-13 and thereafter increased consistently.
 - iii. Market share of the subject counties declined in 2012-13 and consistently increased thereafter and is significant in the POI. Market share of the domestic industry has increased in the POI marginally from the previous year as a result of imposition of anti-dumping duties and market share of countries already attracting ADD has declined.
 - iv. With reduction in the prices either by the foreign producers or by these traders, either the Indian producers must realign their prices with the changes in the import prices or traders' resale prices, or the petitioners must loose orders.
 - v. Domestic industry prices reflect the combined effect of the prices which have been reported in the trade journals and the prices that are being offered by the traders.
 - vi. Imported goods have been undercutting the prices of the domestic industry in both loose and packed form. Price undercutting in respect of the product under consideration as a whole is positive from the subject countries.
 - vii. The domestic industry has been forced to reduce the prices too steeply and too frequently.
 - viii. Inventories with the domestic industry increased till 2013-14, but thereafter declined during the POI.
 - ix. Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of profits, return on investments and cash profits to a very significant extent till 2013-14 but during the POI, it has increased slightly.
 - x. The decline in profitability of the domestic industry was due to reduction in the import prices without any justifiable reasons. The domestic industry is suffering significant financial losses as a result of significant dumping.

View of the Importers/consumers and other interested parties

- 35. The submissions made by the interested parties with regard to injury and casual link are as follows:
 - i. Analysis of injury parameters should be made from the base year but domestic industry has made it from the year 2012-13.
 - ii. The price undercutting of Russia is shown higher as compared to price undercutting of China whereas the landed value for China is higher than the landed value for Russia. It indicates that the price undercutting is created artificially.
 - iii. No increase in imports from subject countries over the investigation period and in comparison to domestic production and total demand.
 - iv. Market share of domestic industry has increased from 34% in the base year to 41% in the POI.

- Capacity, production, capacity utilization, productivity and sales of the domestic industry have increased during the injury period which indicates growth of the DI's ability to raise funds is not affected.
- vi. There is no price depression and suppression for the domestic industry.
- vii. Profitability, cash flows and ROCE have declined in the injury period but all these factors have increased in POI as compared to the previous year 2012-13.
- viii. Employment and wages have shown no injury to DI.
- ix. There exists no causal link between the alleged dumped import from the subject countries and injury to the domestic industry. There is inverse relation between decrease imports from subject countries and increase sales of domestic industry.
- x. The import prices from the subject countries have declined by 9% over the injury period whereas the price of domestic industry has increased by 7% over the same period. The effect of price on the domestic industry is due to the countries attracting ADD and not due to the subject countries.

Examination by the Authority

- 36. Rule 11 of the AD Rules read with its Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." While considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
- 37. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
- 38. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry, para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:
 - "The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."
- 39. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

Cumulative Assessment

- 40. Annexure II (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
 - a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country/ territory is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
 - b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

41. In the present case-

- a) The margin of dumping from each of the subject countries is more than the limits prescribed above;
- b) The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed above; and
- c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete inter se and with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. It is noted that there is no submission made by any interested party disputing cumulative assessment in the present case.
- 42. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports from the subject countries.
- 43. After elaborate investigations, interim anti-dumping duty was earlier imposed on the imports of the product under consideration from European Union and USA vide notification dated 21st October, 2012 and definitive anti-dumping duty was imposed vide notification dated 21st May, 2014. It is noted that whereas imports from EU and USA declined, imports from China and Russia increased between 2013-14 and the POI.

Demand and market share

- 44. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of domestic industry and other Indian producers have been added to the total imports into India and the same has been summarized below:
- 45. It is noted that overall demand for the product under consideration shows marginal decline. Domestic industry contended that (a) the decline in demand is because of reduction in consumption by some pharma companies,

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Sales of Petitioners	MT	60,286	72,879	70,476	73,205
Sales of Other Producers	MT	33,921	33,597	37,734	33,830
Subject Countries – Imports	MT	16,514	334	6,757	15,629
Countries Attracting ADD	MT	60,974	56,324	62,444	47,571
Other Countries	MT	6,956	279	484	540
Total demand/Consumption	MT	178,651	163,413	177,895	170,774

(b) injury to the domestic industry is not because of decline in demand, as combined capacities with the Indian industry was 117,000 MT as against demand of 170,774 MT in India in the POI, (c) in view of significant demand for the product in the country, there was no need for the domestic industry to suffer on account of profits, return on investment and cash flow. The domestic industry further contended that whereas demand for the product under consideration showed an overall decline of 4.50%, imports from subject countries increased from 334 MT (2012-13) to 15,629 MT during the POI, thus showing almost 45 times increase over the period.

Volume Effects of Dumped Imports

Import Volume and Market Share

46. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject goods from the subject countries has been analyzed as under:

Total Imports Volume Market Share in Import Volum	MT	84,444	56,936	69,685	63,739
	3.500		76.026	(0. (0. =	(2 = 20
Other Countries	MT	6,956	279	484	540
Countries attracting ADD	MT	60,974	56,324	62,444	47,571
Russia	MT	430	-	1,963	2,827
China PR	MT	16,084	334	4,794	12,802
Subject Countries	MT	16,514	334	6,757	15,629
Import Volume					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI

Subject Countries	%	19.56	0.59	9.70	24.52
China PR	%	19.05	0.59	6.88	20.08
Russia	%	0.51	-	2.82	4.44
Countries attracting ADD	%	72.21	98.92	89.61	74.63
Other Countries	%	8.24	0.49	0.69	0.85
Total Imports	%	100.00	100.00	100.00	100.00

47. It is noted from the above table that imports of the subject goods from subject countries declined in 2012-13 and increased thereafter registering significant increase in the POI. It is noted that imports from countries attracting anti-dumping duty declined with the imposition of anti-dumping duty vide Notification No. 24/2013-Customs (ADD) dated 21st October, 2012 whereas imports from subject countries started increasing.

Imports in relative terms

48. Imports in relation to consumption and production have been analyzed as under:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Subject Countries Imports					
In relation to Indian Production	%	16.81	0.31	6.05	14.53
In relation to Indian Demand/Consumption	%	9.24	0.20	3.80	9.15

49. It is noted that imports in relation to production and consumption declined in 2012-13 and increased thereafter.

Price effect of imports

50. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any.

Price undercutting

51. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
	Chin	a (Loose & Pack	ed)		
Landed price of imports	Rs/MT	***	***	***	***
Net Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	Negative	Negative	Negative	Negative
	Russ	ia (Loose & Pack	ted)		
Landed price of imports	Rs/MT	***	***	***	***
Net Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	Negative	-	Negative	5-15
	Subject co	untries (Loose &	Packed)	<u> </u>	<u>I</u>

Landed price of imports	Rs/MT	***	***	***	***
Net Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***
Price Undercutting (% Range)	%	Negative	Negative	Negative	Negative

52. The Authority notes that the landed prices of the subject goods from Russia was below the selling price of the domestic industry during the POI, however in the case of China PR, the same is slightly more than the selling price of domestic industry resulting in marginally negative price undercutting.

Price-underselling

53. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries, as follows:

Particulars	Unit	China PR	Russia
Average Non Injurious Price	US\$/Mt	***	***
Average Landed Value	US\$/Mt	***	***
Price underselling	US\$/Mt	***	***
Price underselling	%	***	***
Price underselling	% Range	15-25	25-35

54. It is noted from the above table that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period on account of imports of the subject goods from the subject countries.

Price suppression and depression

55. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. Authority has considered the average price of loose and packed material for the purpose of this analysis. Table below shows the factual position:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Average Selling price of DI	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	70	87	107
Average Landed Value of subject countries	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	81	84	91
Cost to Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	105	133	132

56. It is noted from the table above that cost of sales have increased over the period and selling price of the domestic industry declined in 2012-13 but increased thereafter. Further, landed price of imports has shown same trend as the selling price. Increase in selling price is much less than the increase in cost of sales. Thus imports are causing significant price suppression in the domestic market.

Economic parameters of the domestic industry

57. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

58. Various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

i. Production, capacity and capacity utilization of the Domestic Industry

59. The production, domestic sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry have been stated as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Plant Capacity	MT	106,688	117,000	117,000	117,000
Plant Production	MT	120,240	135,877	130,133	131,973
Plant Capacity Utilisation	%	113%	116%	111%	113%
Production PUC	MT	62,788	74,386	71,689	73,335
Domestic Sales Volumes	MT	60,286	72,879	70,476	73,205

- 60. The Authority notes that the product under consideration is jointly produced with Chloroform and Carbon Tetrachloride comes out as a by-product. Since the production facilities are common and the products are coproduced, capacity utilization has been examined by considering combined production of Methylene chloride and chloroform.
- 61. It is noted that one of the petitioner companies has enhanced capacity within the present injury period. Domestic sales, production and capacity utilization of the domestic industry have increased over the injury period. The domestic industry has contended that volume parameters are under the control of the domestic industry and domestic industry on its part is doing its best to produce and sell maximum volumes so that its fixed costs get observed over larger production. However, dumping is causing losses to the domestic industry.

ii. Market share

62. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market share of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Market Share in Demand					П
Sales of Domestic Industry	%	33.75	44.60	39.62	42.87
Sales of Other Producers	%	18.99	20.56	21.21	19.81
Subject countries - Imports	%	9.24	0.20	3.80	9.15
Imports from countries attracting ADD	%	34.13	34.47	35.10	27.86
Imports from Other Countries	%	3.89	0.17	0.27	0.32
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

63. It is noted that market share of the domestic industry increased in 2012-13, declined in 2013-14 and thereafter increased in the POI. Market share of the subject countries declined in 2012-13 but increased thereafter significantly in the POI.

iii. Profits, return on investment and cash flow

64. The cost of sales, selling price and profit/loss of the domestic industry have been analysed as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales - Average	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	105	133	132
Selling Price - Average	Rs/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	70	87	107
Profit/Loss	Rs/MT	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	(140)	(184)	(47)
PBIT	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(169)	(215)	(57)
Cash Profit	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(116)	(149)	(22)
ROI	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(80)	(95)	(11)

- 65. It is seen that the selling price of the domestic industry is below the level of cost of sales since 2012-13 resulting into losses. The domestic industry was suffering from injury in view of dumped imports from other countries as well. Low priced imports from countries currently attracting anti-dumping duty forced the petitioners to reduce its prices and consequently the petitioner started incurring losses since 2012-13. The domestic industry has been able to increase its selling price in the POI with the imposition of anti-dumping duties on countries attracting anti-dumping duty. However, imports from subject countries have prevented the domestic industry from increasing its selling price even to the level of costs of sales and, therefore, the domestic industry continues to suffer financial losses in the POI.
- 66. The domestic industry is suffering cash losses and further, the return on investment also became negative in 2012-13 and the cash losses intensified in 2013-14, in view of significant dumping from countries now attracting anti-dumping duty. Imposition of anti-dumping duties on such countries have led to some marginal improvement in cash profit and return on investment in the POI, however dumped imports of subject countries prevents the domestic industry from recovering completely from ill effects of dumping.

iv. Inventories

67. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	167	328	117

68. It is noted from the above table that the average stock increased till 2013-14 and declined thereafter.

v. Employment and wages

69. The position with regard to employment and wages is as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Number of Employees	No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	101	102
Wages	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	165	151

70. It is seen that when employment is maintained within a particular range, wages show increasing trend over the injury period.

vi. Productivity

71. Data relating to productivity shows as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	93	110	106	109

Productivity per employee	MT/Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114	113	114

72. It is noted that the productivity of the domestic industry has increased and moved in the same direction as that of the production.

vii. Magnitude of Dumping

73. Magnitude of dumping, as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry, shows that the dumping margins determined against the subject countries are above de minimis and significant.

viii. Ability to raise capital investment

74. It is noted that the petitioner companies are multi product companies and one of petitioner companies has enhanced capacities during the injury period. However, despite significant additional investment made in the year 2011-12, the domestic industry should have been able to increase its profit before interest, tax and depreciation. However, even after imposition of ADD on other countries, the industry is suffering with losses, thus, affecting the ability to raise capitals.

ix. Factors affecting domestic prices

75. Consideration of the import prices from subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed value of imported material from subject countries are significantly below the selling price and non injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting and underselling in the Indian market. There is no viable substitute to this product. Demand for the product is not a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry. It is thus evident that the only factor responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product and the cost of production of the domestic industry. As the information would show, the imports prevented the domestic industry from increasing their prices in line with the increase in the cost.

x. Growth

76. Growth of the domestic industry is adverse, as growth with regard to profits, return on investments and cash flow was significantly negative during period of investigation except 2011-12.

xi. Industry recovering from past effect of dumped imports

77. The domestic industry has contended that various injury parameters illustrated under the Rules are not exhaustive, and thus the Authority may analyse any other factor showing injury to the domestic industry. It has been submitted that the domestic industry is trying to recover from the ill effects of dumping caused by other countries which are now attracting anti-dumping duties. However, the dumped imports from current subject countries are preventing the growth of the domestic industry. It is seen in this regard that the domestic industry continues to incur losses, despite imposition of anti-dumping duties on other countries.

Conclusion on material injury

78. After examining the volume and price effects of imports of the subject goods from the subject countries and its impact on the domestic industry, it is noted that volume of imports of subject goods from subject countries declined in 2012-13 and thereafter increased significantly in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Market share of the subject countries declined in 2012-13 and increased thereafter. It is provisionally noted that the domestic industry has not suffered volume injury on account of dumped imports of subject goods from the subject countries. However, with regard to price effect on account of imports of the subject goods from the subject countries, it is noted that imports of the subject goods from subject countries are significantly undercutting the prices of domestic industry. Further, the domestic industry has suffered price suppression on account of imports of the subject goods from the subject countries in the POI. Profit, cash flow and return on investment remain negative. Despite imposition of anti-dumping duty on other countries, the domestic industry is incurring losses in the POI because of the presence of dumped imports from the subject countries. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is concluded that even though the performance of the domestic industry has improved in respect of production, capacity utilization, domestic sales, market share, the performance deteriorated in terms of profits, return on investment and cash flows. Thus, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

Other Known Factors & Causal Link

79. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports, could have contributed to injury to the domestic industry.

a) Volume and prices of imports from third countries

80. It is noted that imports of product under consideration from other countries are either negligible in terms of volume or are attracting anti-dumping duties. It is noted that the import prices from subject countries are much higher during the POI.

b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

81. As noted earlier, demand scenario and pattern of consumption for the subject goods in the domestic market show that there has been decline in the demand of the products concerned over the injury period which has been attributed to consumption by some pharma companies. It is, however, seen that injury to the domestic industry is not because of decline in demand, as combined capacities with the Indian industry was 189,000 MT as against demand of 170,774 MT in India. In view of significant demand for the product in the country, there was no need for the domestic industry to suffer on account of profits, return on investment and cash flow.

c) Developments in technology:

82. Technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, development in technology is not a factor causing injury to the domestic injury.

d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

83. There is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

e) Export performance of the domestic industry

84. The injury information examined by the Authority is for domestic operations only and, therefore, export performance has not caused injury to the Domestic Industry.

f) Productivity of the Domestic Industry

- 85. It is noted that the productivity of the domestic industry in terms of production per employee as well as production per day has increased over the period.
- 86. It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other factors. The Authority examined whether the dumping of the product has caused injury to the domestic industry. The following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:
 - (a) The imports of the subject goods from the subject countries were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.
 - (b) The domestic industry was prevented from increasing its prices. The price suppression suffered by the domestic industry is because of dumping of the product by the subject countries.
 - (c) The domestic industry is forced to sell at prices even below the cost of production which is resulting into significant financial losses. The price suppression caused by the imports thus results in financial losses in the POI.
 - (d) Performance of the domestic industry with regard to profits, cash flow and return on investments is negative as a result of price suppression and price undercutting. Thus, dumping of the product has led to deterioration in performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow and return on investments.
 - (e) Despite imposition of anti-dumping duty on other countries, the domestic industry is incurring losses in the POI because of the presence of dumped imports from the subject countries.

87. It is, therefore, provisionally concluded that the domestic industry suffered material injury due to the dumped imports.

Magnitude of Injury Margin

Injury Margin

88. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

INJURY MARGIN

Country	Producer/Exporter	Non- Injurious Price	Landed Price	Injury Margin	Injury Margin	Injury Margin
		US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	% Range
China PR	Shandong Dongyue Fluo- Silicon Materials Co., Ltd ("Dongyue Fluo-silicon")	***	***	***	***	15-25
	Zhejiang Quhua Flour- chemistry Co. Ltd. ("Quhua")	***	***	***	***	20-30
	Any Other Producer/Exporter	***	***	***	***	35-45
Russia	All Producers/Exporters	***	***	***	***	25-35

L. Indian industry's interest & other issues:

89. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

M. Recommendation

- 90. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
 - a) The interim anti-dumping duty was earlier imposed on the imports of the product under consideration from European Union and USA vide notification dated 21st October, 2012 and definitive anti-dumping duty was imposed vide notification dated 21st May, 2014. It is noted that whereas imports from EU and USA declined, imports from China and Russia increased significantly between 2013-14 and the POI, justifying recommendation of preliminary duty.
 - b) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal values. The dumping margins are positive and so significant that it justifies recommendation of preliminary duty.
 - The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject countries.
 - d) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries.
- 91. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is required to offset dumping causing injury. Domestic industry has requested for imposition of anti-dumping duty to address injury being suffered. Having regard to the lesser duty rule followed by the

- Authority, the Authority recommends imposition of provisional definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry.
- 92. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional anti-dumping duty equal to the amount indicated in the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

DUTY TABLE

DUIT TABLE										
Sl. No.	Sub- heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency	
1	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	China PR	China PR	Shandong Dongyue Fluo-Silicon Materials Co., Ltd	Shandong Dongyue Fluo-Silicon Materials Co., Ltd	144.41	MT	US\$	
2	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	China PR	China PR	Zhejiang Quhua Flour- chemistry Co. Ltd.	Farmasino Holding (HK) Limited, Hong Kong	163.70	MT	US\$	
3	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	China PR	China PR	Zhejiang Quhua Flour- chemistry Co. Ltd.	Polychem Corporation, Taiwan	163.70	MT	US\$	
4	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	China PR	China PR	Zhejiang Quhua Flour- chemistry Co. Ltd.	Mercy Group Co., Ltd., Hong kong	163.70	MT	US\$	
5	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	China PR	China PR	Any combination other than Sl. No 1,2,3 & 4 above		232.47	MT	US\$	
6	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	China PR	Any	Any	Any	232.47	MT	US\$	
7	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	Any country other than subject countries	China PR	Any	Any	232.47	MT	US\$	
8	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	Russia	Russia	Any	Any	194.43	MT	US\$	
9	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	Russia	Any	Any	Any	194.43	MT	US\$	
10	290312	Dichloro- methane (Methylene Chloride)	Any country other than subject countries	Russia	Any	Any	194.43	MT	US\$	

*Note: Where there is overlapping of anti-dumping duty on the subject goods with respect to a subject country in different customs notifications, the duty applicable to that subject country shall be one imposed under the customs notification in which the said country has been specifically mentioned under the Column "Country of Origin".

N. Further Procedures

- 93. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -
- a) The Authority invites comments on these preliminary findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding. Interested parties may also make known their views within forty days from the date of publication of these findings.
- b) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- c) The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

A. K. BHALLA, Designated Authority